

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | मंगलवार, 16 सितंबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : <https://www.shubhlabhdaily.com> | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-255

गृह मंत्रालय ने बीपीआरएंडडी को सौंपी अहम जिम्मेदारी

नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां)।

श्रीलंका, बांग्लादेश और अब नेपाल में सत्ता परतण के सुनियोजित षडयंत्रों के रहत हुए अराजक प्रदर्शनों और हिंसा को देखत हुए केंद्र सरकार ने भारत में पिछले चार दशकों में हुए प्रदर्शनों की बारिकियों से जांच करने का आदेश दिया है। खास तौर पर 74 आंदोलन के बाद हुए प्रदर्शनों की पूरी सूक्ष्मता से जांच की जागी। कि इन आंदोलनों या प्रदर्शनों के पीछे क्या षडयंत्र थे और इनके पीछे कौन-कौन शक्तियां सक्रिय थीं। केंद्रीय गौन-मंत्रालय ने पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो को इस शोध और जांच का दायित्व सौंपा है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विरोध प्रदर्शनों का अध्ययन करने के बाद एक मानक संचालन प्रक्रिया (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीज्योर- एसओपी) भी तैयार करने के

लिफा कहा है। ताकि उन विरोध प्रदर्शनों के कारणां, ज्वतीय पहलुओं और पदों के पीछे के लोगों का विश्लेषण के बाद ऐसी साजिश गतिविधियों को कारगर तरीके से काबू न किया जा सके। अमित शाह ने जुलाई के अंतिम सप्ताह में नई दिल्ली में इंटेल्जेंस ब्यूरो द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति सम्मेलन-2025 में इस तरह की जांच की आवश्यकता के बारे में बात की थी। गृह मंत्रालय के एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया, पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो को विशेष रूप से इन विरोध प्रदर्शनों के कारणां, पैटर्न और परिणामों का विश्लेषण करने के लिए कहा गया है जिसमें यह भी पता लगाना है कि पदों के पीछे कौन लोग शामिल रहें हैं। यह निर्देश दिया गया है कि भविष्य में बड़े पैमाने पर आंदोलन को रोकने के लिए अध्ययन के परिणामों के



नेपथ्य में सक्रिय साजिशों की पहचान की जाएगी

आधार पर एक एसओपी तैयार की जाए।
अमित शाह के निर्देशों के बाद, केंद्रीय
गृह मंत्रालय के अधीन पुलिस अनुसंधान एवं

विकास ब्यूरो (बीपीआरएंडडी) एक टीम गठित करने की प्रक्रिया में है जो राज्य पुलिस विभागों के साथ सीआईडी की रिपोर्टों सहित

पुरानी केस फाइलों के अध्ययन के लिए समन्वय करेगी। अमित शाह ने बीपीआरएंडडी को प्रवर्तन निदेशालय, वित्तीय खुफिया इकाई-भारत और केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) जैसी वित्तीय जांच एजेंसियों को भी ऐसे आंदोलनों के वित्तीय पहलुओं की जांच करने के लिए शामिल करने को कहा है।

ऐसा भी बताया जा रहा है कि गृहमंत्री ने बीपीआरएंडडी को राज्य पुलिस विभागों के साथ समन्वय करके विभिन्न धार्मिक आयोजनों पर अध्ययन करने को कहा है। ताकि भगदड़ जैसी घटनाओं के पीछे छिड़े कारणों को समझा जा सके और ऐसे आयोजनों की निगरानी और नियमन के लिए एक एसओपी तैयार किया जा सके। अमित शाह ने एनआईए, बीएसएफ और नाकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो से पंजाब में

खालिस्तानी उग्रवाद और सामान्य आपराधिक गतिविधियों से निपटने के लिए अलग-अलग तरीके तैयार करने को कहा।

गृह मंत्रालय के आला अफिकारी से प्राप्त जानकारी के मुताबिक, केंद्रीय गृहमंत्री ने खुफिया एजेंसियों को पंजाब से जुड़े मुद्दों की अच्छी जानकारी रखने वाले अधिकारियों की एक टीम बनाने को कहा है कि जिससे कि इन मुद्दों से निपटने के लिए अलग-अलग तरीकों की रूपरेखा तैयार की जा सके।

गृह मंत्री ने एनआईए को सलाह दी है कि आतंकवाद-अपराधी गठजोड़ के घरेलू पहलुओं को ध्वस्त करने के लिए एक अनूठा दृष्टिकोण विकसित करना चाहिए जिसमें अपने नेटवर्क चलाने वाले अपराधियों को देश के अन्य हिस्सों की जेलों में स्थानांतरित करना भी शामिल है।

वक्फ संशोधन कानून पर रोक लगाने से सुप्रीम कोर्ट का इन्कार

कुछ पाबंदियों के साथ वक्फ कानून को मिली हरी झंडी



नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ संशोधन कानून 2025 पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि पूरे कानून पर रोक लगाने की कोई आवश्यकता नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने अंतिम आदेश में वक्फ संशोधन कानून के कुछ प्रावधानों पर फिलहाल रोक लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल उस प्रावधान पर रोक लगाई है, जिसमें वक्फ घोषित करने के लिए किसी व्यक्ति का 5 वर्ष तक इस्लाम का अनुयायी होना आवश्यक बताया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ निकायों में गैर-हिंदुओं को शामिल किए जाने को सही ठहराते हुए कहा है कि राज्यों के वक्फ बोर्ड में तीन से अधिक और केंद्रीय वक्फ बोर्ड में चार से अधिक गैर मुस्लिम सदस्य नहीं होने चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कलेक्टर को वक्फ संपत्ति के अधिकार तय करने का अधिकार देने को गलत माना है। जहां तक कलेक्टर

अंतरिम आदेश : जारी रहेगा वक्फ संपत्तियों का रजिस्ट्रेशन

वक्फ बोर्ड में चार से अधिक नहीं रहेंगे गैर मुस्लिम सदस्य

की शक्ति का प्रश्न है, सरकार द्वारा उत्पन्न विवादों के लंबित रहने के दौरान कलेक्टर राजस्व रिकार्ड में यह प्रविष्टि दर्ज करेगा कि यह वक्फ संपत्ति नहीं है, जब तक कि उपयुक्त प्राधिकारी या न्यायिक मंच द्वारा इसका निर्णय नहीं हो जाता। न्यायालय ने कहा है कि यह शक्ति प्रत्यक्ष रूप के सिद्धांत का उल्लंघन करता है। इसलिए इस पर विशेष रूप से रोक लगा दी गई है और कहा गया

है कि किसी भी राजस्व रिकॉर्ड में बदलाव नहीं किया जाएगा और जब तक अंतिम निर्णय नहीं हो जाता, तब तक किसी तीसरे पक्ष के अधिकार का सृजन नहीं किया जाएगा। हालांकि सुप्रीम कोर्ट का यह अंतरिम आदेश है।

सुप्रीम कोर्ट ने उस प्रावधान पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया है जिसके तहत गैर मुस्लिम भी वक्फ बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बन सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ संपत्तियों के रजिस्ट्रेशन की अनिवार्यता पर रोक लगाने से भी इन्कार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि यह 1995 से 2013 तक भी मौजूद था। सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 के सभी प्रावधानों पर रोक लगाने से इन्कार करते हुए कहा कि कानून की कुछ धाराओं को संरक्षण की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट ने उस प्रावधान पर रोक लगा दी है, जिसके अनुसार पिछले पांच वर्षों से इस्लाम का पालन करने वाले व्यक्ति ही वक्फ बना सकते हैं। अदालत ने कहा कि यह प्रावधान तब तक स्थगित रहेगा, जब तक यह तय करने के लिए नियम नहीं बन जाते कि कोई व्यक्ति इस्लाम का अनुयायी है या नहीं।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार द्वारा लाए गए संशोधनों पर कोई रोक नहीं लगाई है। केवल याचिकाकर्ताओं के पक्ष में एक अंतरिम आदेश है कि संशोधित कानून सहित कानून नहीं निर्धारित प्रक्रिया का पालन किए बिना उन्हें वक्फ संपत्ति से वंचित नहीं किया जा सकता। यदि सरकार को कोई वक्फ लेना है, तो वक्फ अधिनियम में **►10** पर

प्रधानमंत्री ने किया सैन्य कमांडरों के सम्मेलन का उद्घाटन

सुरक्षा के साथ राष्ट्र निर्माण में भी सेना का योगदान: मोदी

कोलकाता, 15 सितंबर
(एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कोलकाता में 16वें संयुक्त कमांडर सम्मेलन (सीसीसी) का उद्घाटन किया। आज से शुरू होकर तीन दिनों तक चलने वाला यह सम्मेलन विजय दुर्ग, जिसे पहले फोर्ट विलियम के नाम से जाना जाता था, स्थित भारतीय सेना के पूर्वी कमान मुख्यालय में आयोजित किया जा रहा है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद सशस्त्र बलों का यह पहला महत्वपूर्ण सम्मेलन है और इसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोवाल भी शामिल हैं। यह सम्मेलन 15 से 17 सितंबर



तक चलेगा। इसका आयोजन पूर्वी कमान मुख्यालय में किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सशस्त्र बलों की सराहना करते हुए कहा, ऑपरेशन सिंदूर में बेहतरीन भूमिका के लिए भारतीय सेना को बधाई और अभिवादन देता हूँ। राष्ट्र निर्माण में भी सेना महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। पीएम मोदी ने कहा, सेना ने हमेशा देश की संप्रभुता और सुरक्षा सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाई है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद
पहली बार पीएम मोदी
सेना से हुए मुखातिब
प्रधानमंत्री ने सेना के
साहस, समर्पण और
बलिदान को सैल्यूट किया

प्रधानमंत्री ने सशस्त्र बलों के साहस, समर्पण और बलिदान की तारीफ की और कहा कि सेना देश की सुरक्षा के लिए हमेशा

तैयार रहती है और हर चुनौती का सामना करती है। अपनों संबोधन में पीएम ने आप्रवेश सिंदूर की सफलता के सशस्त्र बलों की खूब सराहना की, साथ ही राष्ट्र निर्माण, एंटी पायरेसी, संघर्ष क्षेत्रों से भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी और मित्र देशों को मानवीय सहायता और आपदा राहत देने के सशस्त्र बलों की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की। रक्षा 2025 को ईयर्थ ऑफ रिफॉर्म

मानते हुए, प्रधानमंत्री ने रक्षा मंत्रालय को भविष्य की चुनौतियों का सामना करने और किसी भी स्थिति में जीत हासिल करने के लिए ज्यादा ज्वाइंटनेस, आत्मनिर्भरता और इनोवेशन के लिए ठोस कदम तेजी से लागू करने का निर्देश दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले दो साल में लागू किए गए सुधारों और अगले दो साल की योजना की भी समीक्षा की। इस मौके पर सशस्त्र बलों की तर्फ से प्रधानमंत्री को सेना की तैयारियों के बारे में जानकारी दी गई। खास तौर पर ऑपरेशन सिंदूर के बाद बनाए गए न्यू नॉर्मल, नई उभरती तकनीक और रणनीति के संदर्भ में भविष्य के

बीसीसीआई के दबाव में पाकिस्तान से खेला गया मैच



दुबई, 15 सितंबर (एजेंसियां)।

एशिया कप के हार्ड-वॉल्टेज मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को सात विकेट से हराया। मैच के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ मिलाते से इन्कार कर दिया। भारतीय टीम के खिलाड़ियों ने ऐसा करके अपना सांकेतिक विरोध जताया और यह सांकेतिक संदेश दिया कि वे पाकिस्तान के साथ क्रिकेट मैच नहीं खेलना चाहते थे, उन्हें दबाव में यह मैच खेलना पड़ा। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सदस्य सुरेश रैना ने स्पष्ट कर दिया कि भारतीय खिलाड़ी बीसीसीआई के दबाव में पाकिस्तान से मैच खेला।

सुरेश रैना ने कहा, मैं पक्के तौर पर जानता हूं कि कोई भी खिलाड़ी एशिया कप में नहीं खेलना चाहता था। खिलाड़ी मजबूरी में खेले क्योंकि बीसीसीआई ने टूर्नामेंट में हिस्सा लेने का फैसला ले लिया था। ▶ **10** पर

पीपल ऑफ़ मेटली सक्सेस मंत्रा का भव्य आयोजन

पद्मश्री सावजी ढोलकिया ने साझा किए सफलता के सूत्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीतो) बंगलूरु साउथ चेय्तर फाउंडेशन द्वारा भव्य पीपल ऑफ मेटली सक्सेस काल कार्यक्रम का आयोजन द रिट्ज़-मंगलचंद, रजिडेंसी रोड पर संग्रह हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत नवकार महामंत्र के संगान के साथ एपेक्स-जोन-चेय्तर पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलन से हुई। सभी अतिथियों का स्वागत जीतो साउथ चेय्तर के महामंत्री नितिन लुनिया ने किया और जीतो के संस्था के अंतर्गत चल रहे विभिन्न आयामों की जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर मुख्य प्रायोजक इंद्रचंद, रमेशचंद, मंगलचंद बोहरा, टाइटल स्पॉन्सर का परिचय वीडियो प्रस्तुति के माध्यम से दिया गया, डायमंड स्पॉन्सर गाला ग्रुप के शान्तिलाल, किरण, मनीष, मुकेश गाला, मंगलदीप चैन के घेवरचंद, खुशाल, सफल सांकरिया और नाहर डायमंड के किरण कुमार, कमलेश, रितेश नाहर का विशेष सम्मान किया गया। प्रायोजक राहुल बोहरा ने अपने व्यवसाय की विस्तृत जानकारी साझा की। वहीं आगला व महेंद्र जियानी ने जीतो आवास-निवास योजना के अंतर्गत सुविधाओं का विवरण दिया। मुख्य वक्ता पद्मश्री सावजी ढोलकिया संस्थापक एवं चेयरमैन, हरि कृष्णा एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का परिचय अभिषेक जैन ने दिया। उन्होंने कहा कि सावजी ढोलकिया को सोशल सर्विस के लिए, 175 लेख के लिए और 32 मिलियन पौधे लगाने हेतु पद्मश्री अवार्ड



से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन जितम प्रोजेक्ट संयोजक एवं सेक्रेटरी प्रतीक गांधी ने किया। मुख्य वक्ता पद्मश्री सावजी ढोलकिया ने अपने प्रेरणादायी जीवन अनुभव साझा करते हुए कहा कि सफलता का मूल मंत्र निरंतर परिश्रम, कर्मचारियों की देखभाल और समाज सेवा है। उन्होंने बताया कि पचास वर्ष पूर्व उनकी माँ ने उन्हें तीन सूत्र दिए थे अच्छा आदमी बनना, बड़ा आदमी बनना और नामचीन इसान बनना। इन्हीं सूत्रों को साधकर वे इस मुकाम तक पहुँचे हैं। उन्होंने कहा कि पैसा जितना कामआओ, उतना देने का प्रयास करो, वह सौ गुना बढ़कर लौटता है। जीवन में किसी भी काम को करने में संकोच नहीं करना चाहिए, निरंतर कार्य करना ही सफलता का आधार है। अपने शुभआति संघर्ष का उल्लेख करते हुए ढोलकिया ने बताया कि जब हीरो का कारखाना शुरू

हुआ तो कर्मचारियों को काम के साथ-साथ भोजन और विश्राम की सुविधा भी दी गई। परिणामस्वरूप वे पूरे मन से कार्य करने लगे और कंपनी का भाव-स्वभाव बदल गया। उन्होंने कहा कि इसी समय से कंपनी ने प्रगति की और आज कई कंपनियां उसी कार्यशैली को अपना रही हैं। ढोलकिया ने जोर देकर कहा कि पैसा छोड़ना सीखो, वह अपने आप बढ़ता जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि हमारे घर का महिलाओं ने कभी आपसी प्रतिस्पर्धा नहीं की, हमेशा परिवार को संभाला, व्यवसाय में दखल नहीं दिया और कठिन समय का बोझ बाहर नहीं बताया। हमने कभी दिखावे की ज़िदगी नहीं जी बल्कि अपनी कार्यशैली से ही ब्रांड बन। ढोलकिया ने बताया कि उनकी कार्यशैली का मूल आधार कर्मचारियों और उनके परिवारों की देखभाल रहा है। हर कर्मचारी और

समाज भी समृद्ध होगा

जीतो बैंगलूरू के संस्थापक तेजराज गुलेच्छा ने मुख्य वक्ता के विचारों की सराहना करते हुए कहा कि यदि हम इन व्यावहारिक बातों को जीवन में उतार लें तो न केवल व्यक्तिगत जीवन सुखी होगा बल्कि समाज भी समृद्ध होगा। लर्न-अर्न-रिटर्न की नीति अपनाकर सार्थकता के सही सहयोग करना चाहिए। सावजी भाई के विचारों से प्रेरणा लेकर आज समाज के तीन अग्रणी परिवार जेएटीएफ का तीन ट्रस्टी गेवारचंद-खुशाल सांकरिया, महेंद्र जिजानी, राजेन्द्र दांतोबाबिया बने। इस अवसर पर सावजी डोलकिया का विशेष सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम के मेन स्पॉन्सर संभव रहे, जबकि गाला हार्डवेयर वर्ल्ड, नाहर डायमंड और मंगलदीप ज्वेलर्स डायमंड स्पॉन्सर के रूप में जुड़े रहे। कार्यक्रम की सफलता में कमलेश नाहर (ड्रेंट कन्वीनर) और सफल सकारिया (ड्रेंट को-कन्वीनर) का महत्वपूर्ण योगदान रहा। जीतो बैंगलूरू साउथ चैप्टर के अध्यक्ष रणजीत सोलंकी ने सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। पूरे आयोजन के दौरान हॉल हाउसफुल रहा और उपस्थित जनसमूह ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर कार्यक्रम को अविस्मरणीय बना दिया।

उन्के बच्चों की शिक्षा, रोटी और कपड़े की जिम्मेदारी कंपनी उठाती है। वर्ष में एक बार उन्हें यात्रा पर भी भेजा जाता है ताकि वे नई ऊर्जा और उत्साह के साथ काम कर सकें। ढोलकिया ने उपस्थित जनसमूह को यह भी संदेश दिया कि सदा माता-पिता के समान अपने सास-ससुरा की सम्मान करें। जिस घर की महिला सुखी और प्रसन्न होती

है, उस घर में लक्ष्मी का वास होता है। नई तकनीक अपनाने से लाभ भी बढ़ता है और कर्मचारियों की पगार भी अधिक होती है। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि बड़ा सोचो, बड़ा करो और अपने व्यापार में प्रोडक्शन को कभी कम न होने दो। बच्चों को आर्यनभर बनाया ही सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि

कोई भी व्यक्ति आपके बारे में कुछ भी सोच सकता है, लेकिन यदि आप निरंतर सही कर्म करते रहेंगे तो लोग स्वयं आपको आदर्श मानेंगे। हमारे व्यवहार और व्यापार में भगवान होना चाहिए। काम अपने आप सहजता से होगा और सहयोग मिलता जाएगा। जीवन का आनंद भरपूर लो, स्वयंसेवा कमाए धन का उपयोग पोषणकार में करें।

और ऐसा कार्य करो कि विदा लेने का समय आए तो मुस्कुराते हुए दुनिया से जाओ। इस अवसर पर उनके सुपुत्र उषपत्तिस्थित रहे। धैर्या ने कहा कि पिता की तरह हमें जमीनी कार्यकर्ता बनकर सबके साथ काम करना चाहिए। धैर्या रखते हुए सभी की सुननी चाहिए और कर्मचारियों के सुख-दुःख को समझना चाहिए। जमीन से जुड़े रहने से चाहे कितने भी संपन्न क्यों न हो जाएं, आत्मविश्वास सदा बना रहता है। विशेषज्ञ ने साझा किया कि 18-19 वर्ष की आयु में उन्होंने बेंगलूरु में नई तकनीक सीखी और हर स्तर पर काम करके अनुभव प्राप्त किया। फ्लाइट से लेकर बस तक का सफर किया और यह अनुभव कंपनी के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुआ। उन्होंने कहा कि इस आयोजन में अपने पिता के संकेसों में सुनने का अवसर पाकर वे गौरवान्वित हैं।



दो एकल विद्यालयों में वन यात्रा का आयोजन



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

एफटीएस युवा, बेंगलूरू की टीम ने रविवार को सचिव विकास गुप्ता और वनयात्रा प्रभारी आरती अग्रवाल के नेतृत्व में मैसूरू अंचल स्थित दो एकल विद्यालयों उयिगोंडनहल्लि और अम्बेडकर नगर में प्रेरणादायी वन यात्रा का आयोजन किया।

इस यात्रा में 23 युवा सदस्य और 4 दानदाता शामिल हुए। विद्यालयों का भ्रमण कर सभी ने नजदीक से देखा कि सीमित संसाधनों में भी आचार्य बच्चों को किस प्रकार शिक्षा प्रदान कर रहे

का विशेष सहयोग रहा, जिन्होंने समन्वय की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यात्रा के दौरान युवा टीम ने बच्चों के साथ स्वादिष्ट नाश्ते का आनंद लिया और उन्हें बुक कलर्स सेट व टी-शर्ट्स भेंट किए। विद्यालय को खेलकूद और व्यक्तिगत विकास को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से फुटबॉल और वॉलीबॉल भी उपहारस्वरूप प्रदान किए गए।

इस वन यात्रा में विक्रम अग्रवाल, आशीष गुप्ता, त्रितेश बुखुड़, पवन राजलीवाल, अंकुर जैन, गणपत माली, रचना डालमिया, आयुष अग्रवाला, गौरव अग्रवाल, गौरव शर्मा, गौरव अग्रवाल, प्रवीण गहलोत, श्रीधर चकड़डी, सरिता गुप्ता, संतोष राज-लीवाल, नेहा अग्रवाल और रुचि अग्रवाल सहित अन्य सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। इस अवसर पर सचिव विकास गुप्ता ने बताया कि यह वन यात्रा केंवल विद्यालय भ्रमण तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसने युवाओं को शिक्षा की वास्तविक चुनौतियों को समझने, बच्चों के साथ संवेदनाएँ बाँटने और समाजसेवा के संकल्प को और अधिक गहरा करने का अवसर प्रदान किया।

हैं और विद्यार्थी उत्साहपूर्वक सीखने में जुटे हैं। इस विशेष अवसर पर वनबंधु परिषद साउथ, जोन सेक्रेटरी गिरिधर सारगवी, एफटीएस के सीएसआर डोनर अमित अग्रवाल अपने परिवारसंग सहित तथा भावी सीएसआर डोनर विनीत भी उपस्थित रहे। विनीत का सर्वेक्षण करने विशेषण रूप से पधारे और भावी सहयोगियों की संभावनाओं का अवलोकन कर लिया। कार्यक्रम की सफलता में विभाकर सोलयेकर (पी10 प्रभाग अभियान प्रमुख) और शंकरराज अभियान प्रमुख) (मैसूर अंचल अभियान प्रमुख)

सुनील शर्मा नेशनल चैंपियन्स कप क्रिकेट महाकुम्भ का समापन

खेलों से शारीरिक एवं बौद्धिक विकास होता है: सुनील शर्मा



बेंगलुरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शाकदीपीय ब्राह्मण समाज बैंगलूर के तत्त्वाधान में शहर के कोर मंगला स्थित सेंट जोन्स खेल मैदान में तीन दिवसीय सुनील शर्मा राष्ट्रीय चैम्पियन्स कप क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन रविवार को मुख्य समारोह पूर्वक हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी तेजराज शर्मा रहे। मुख्य अतिथि तेजराज शर्मा एवं इंद्रा शर्मा ने आयोजक सुनील शर्मा को शुभकामनाएं एवं धन्यवाद देते हुए अपने संबोधन में कहा कि समाज में ऐसे आयोजनों से अपासी संवाद एवं सौहार्द बढ़ता है। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षक आयोजक सुनील शर्मा ने अपने समापन संबोधन में देशभर से आये खिलाड़ियों को उनके तीन दिवसीय शानदार खेल प्रदर्शन, प्रेम और खेल भावना की सराहना करते हुए सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि खेलों से

शारीरिक एवं बौद्धिक विकास होता है। स्वस्थ जीवन में खेल की महती आवश्यकता है।

स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क रहता है। विचार को पहला सेमीफाइनल मैच बेंगलूरु स्पार्टान्स और चेन्नई बी. के बीच खेला गया जिसमें बेंगलूरु स्पार्टान्स बीस रन से विजेता रही। दूसरा सेमीफाइनल शाकट्ठीपीय राइजिंग स्टार बीकानेर और भास्कर द्वितीय रायपुर छत्तीसगढ़ के बीच खेला गया जिसमें बीकानेर टीम छत्तीस रन से विजयी रही। जिस पर सबकी निगाहें टिकी थी।

फाइनल और अंतिम मैच पर बेंगलुरु स्पार्टन्स और शाकद्वीपीय राइजिंग स्टार बीकानेर के बीच कड़े एवं रोमांचक मुकाबले के बीच खेला गया। दोनों टीमों का खेल प्रदर्शन शानदार रहा। बीकानेर की टीम ने अपने उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन से बेंगलुरु



स्पार्टनस को कड़ी शिक्तसं देते हुए फाइनल मैच चार विकेट से जीतकर सुनील शर्मा ने नेशनल चैम्पियन्स कप ट्रॉफी पर अपना कब्जा जमाया। मैन ऑफ द मैच अनिल सेवग बीकानेर रहे। उत्कृष्ट बल्लेबाज का खिताब सुमित किशोर शर्मा बेंगलूरु ने जीता। उत्कृष्ट गेंदबाज एवं बेस्ट प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब जे.के. शर्मा बीकानेर ने जीता।

कार्यक्रम के शुभारंभ में मुख्य अतिथि तेजराज शर्मा, राष्ट्रीय प्रमुख सुनील शर्मा एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष किशोर शर्मा का पाली से आये समाज बंधु बरत शर्मा, पुष्करराज शर्मा, कमलेश शर्मा एवं अरुण शर्मा ने सम्मान किया। कार्यक्रम में भामाशाह सुनील शर्मा एवं धर्मपत्नी संतोष शर्मा एवं भाभी चंद्रा शर्मा द्वारा फाइनल मैच जीतने वाली बॉकनेर की टीम को ट्रॉफी एवं आई टेनर नियो कार की चाबी जय भास्कर

जयकारों एवं तालियों की गड़गड़ाहट के बीच भेंट की गयी। वहीं उप विजेता रही बेंगलूरु स्पार्टस की टीम को इश्यावन हजार का चेक देकर सम्मानित किया गया। तीन दिवसीय खेल का आयोजन खेल विलेयज्ञ जितेंद्र शर्मा सेलम एवं प्रसन्न शर्मा हलशुपुर के निर्देशन में शांतिपूर्वक सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर अशोक शर्मा, बाबूलाल शर्मा, सत्यनारायण शर्मा, बसंत शर्मा, पुष्करराज शर्मा, राजेश शर्मा, जितेंद्र शर्मा उर्फ गण्णू, प्रसन्न शर्मा, चेतन शर्मा, अनिल शर्मा, अविनाश शर्मा, प्रफुल शर्मा, विजयकुमार शर्मा, घनश्याम शर्मा, संतोष कुमार शर्मा, भूपेश कश्यप, वीरेन्द्र शर्मा, महेंद्र शर्मा, जेटमल शर्मा, हुकमचंद शर्मा, रमेश शर्मा, हरीश शर्मा, सूरज शर्मा, अरुण शर्मा, किशोर एस. शर्मा, नरेंद्र शर्मा, सी. पी. शर्मा सहित सैकड़ों समाज बंधु उपस्थित थे।

एक दिवसीय विशेष राजभाषा कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (दक्षिण), भारत सरकार, बेंगलूर के तत्वावधान में भारतीय स्टेट बैंक, स्थानीय प्रधान कार्यालय, बेंगलूर द्वारा प्रायोजित एक दिवसीय विशेष राजभाषा कार्यशाला का आयोजन किया गया। बेंगलूर स्थित भारत सरकार के विभिन्न कार्यालयों के राजभाषा प्रभारियों को प्रशिक्षित कर राजभाषा कार्यान्वयन को प्रभावी बनाना इस कार्यशाला का उद्देश्य था। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं भारतीय स्टेट बैंक, स्थानीय प्रधान कार्यालय के उप महाप्रबंधक (वित्तीय समावेशन एवं परिचालन) राजेश कुमार चौधरी, उप निदेशक (कार्यान्वयन) अनिबाबन कुमार



विश्वास, उप निदेशक (राजभाषा),
काँफी बोर्ड डॉ. धीरज कुमार मिश्र
एह एस्बीआई के सहायक
महाप्रबंधक (राजभाषा) कोगे
दत्तात्रेय राव, प्रबंधक (राजभाषा)
अर्चना उपाध्याय सहित अन्य
वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दीप
प्रज्वलन से किया गया। विश्वास
ने अपने स्वागत संबोधन में
कार्यशाला की रूपरेखा बताते हुए
राजभाषा के कार्य को राष्ट्रगौरव

का कार्य माना। राजेश कुमार चौधरी ने हिंदी को देश की प्रगति का आधार और राष्ट्र की एकता का प्रतीक माना। इस कार्यशाला में कुल चार सत्र थे। पहले सत्र में बदलते समय के साथ राजभाषा का स्वरूप, संभावनाएं और राजभाषा कर्मियों की भूमिका विषय पर ऑनलाइन प्रस्तुति में होमनिथि शर्मा, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं राजभाषा),

बीडीएल, हैदराबाद ने राजभाषा प्रभारियों के नए दायित्वों जैसे सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से परिचय कराया और सार्थक और प्रभावी प्रशिक्षण पर बल दिया। दूसरे सत्र में क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (दक्षिण) और कार्यालयों की पारस्परिक अपेक्षाएँ विषय के अंतर्गत विश्वास ने राजभाषा नीति को पूर्णतः कार्यान्वित करने के लिए नवाचार का प्रयोग करने पर बल दिया। कार्यालय प्रमुखों की भूमिका को महत्वपूर्ण मानते हुए भिन्न भिन्न कार्यालयों के अधिकारियों से परस्पर संवाद कर समस्याओं का समाधान किया। तीसरे सत्र का विषय राजभाषा कार्यान्वयन था। विभिन्न निरीक्षण प्रथावलियाँ और विभागी प्रगति रिपोर्ट श्रवण मौलिक

अनुवाद प्रक्रिया पर अपनी प्रस्तुति में एचएल के मुख्य प्रबंधक (राजभाषा), संजय कुमार पाण्डेय ने राजभाषा संबंधी सभी निरीक्षण प्रश्नवाचियों को भरते समय किन सावधानियों को बताना जाए और आज के सूचना प्रौद्योगिकी के युग में मशीन अनुवाद में मौलिकता कैसे लाएँ, इस पर बड़ी सूझ बूझ से अपनी बात कही। चौथे सत्र में राजभाषा कार्यान्वयन के परिप्रेक्ष्य में व्यक्तिगत एवं कौशल निर्माण और राजभाषा प्रचारियों की भूमिका विषय पर डॉ धीरज कुमार मिश्र ने अपने ओजस्वी प्रस्तुति से सत्र को जीवंत रखा और कार्यान्वयन की गरिमा के अनुकूल अपने प्रभावी व्यक्तिगत और दृढ़दृष्टि से नेतृत्व करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि राजभाषा

कर्मियों को अपनी जवाबदेही तय
 करने होगी एवं निरंतर क्रियाशील
 रहकर रचनात्मक पहल से
 राजभाषा कार्यान्वयन को प्रभावी
 बनाया होगा। इस कार्यशाला में
 बेल्लूर में स्थित भारत सरकार के
 उपक्रम, बैंक, बीमा और सरकारी
 कार्यालयों के कुल 75 राजभाषा
 प्रभारियों ने भाग लिया
 कार्यशाला का संचालन
 एसबीआई की प्रबन्धक राजभाषा
 अर्चना उपाध्याय ने और धन्यवाद
 ज्ञापन सहायक महाप्रबंधक
 के.डी.राव ने कार्यक्रम के सूत्रधार
 धीरज कुमार मिश्र, संचालक
 अर्चना उपाध्याय तथा अभिर्भाषी
 कुमार विश्वास के विशेष साध-
 न के साथ, सभी वक्ताओं एवं
 उपस्थित गण्यमान अतिथियों
 धन्यवाद ज्ञापन किया।

राज्यपाल से शिष्टाचार भेंट कर किया स्वागत



बेंगलूर/शुभ लाभ व्यूरो। प्रवासी राजस्थानी कर्नाटक संघ के महामंत्री डॉ. जयरामलाल लूनावत के नेतृत्व में संघ के पदाधिकारियों ने शनिवार को कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत से शिक्षाचार भेंट कर स्वागत किया और एक झणमल भी सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में संघ के मार्गदर्शक राजेश गुलेच्छा, ड्रांगमल पारख, जाट समाज के अध्यक्ष गणपतराम, सह सचिव अविनाश गुलेच्छा उपस्थित रहे। डॉ. लूनावत ने जैन ग्रंथ भेंट किया व मागडी रोड में ज्येष्ठ पुष्कर धाम में चातुर्मास हेतु विराजमान राजस्थानी सभी समाज गौरव नरेश मुनिजी के दर्शन हेतु आमंत्रित किया। डॉ. लूनावत ने प्रवासी बंधुओं के आवागमन हेतु बेंगलूर से जोधपुर के बीच वंदे भारत रेल चलाने की मांग करते हुए रेल मंत्री को पत्र लिखने का अनुरोध किया। राज्यपाल ने सभी का परिचय लिया व मूल रूप से ग्रन्थ का पाठन किया व प्रवासी राजस्थानी कर्मचारी संघ के बारे में विस्तृत जानकारी ली।

तब विशेषज्ञों ने जलाशय की उम्र और मरम्मत के अभाव को देखते हुए सभी 33 गेटों को बलदेन के की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया था।

संकट के दौरान बांध का दौरा करने वाले कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारामैया ने आधुनिकीकरण के लिए समर्थन का आश्वासन दिया था, लेकिन याद दिलाया था कि तुंगभद्रा बोर्ड, जिसकी अध्यक्षता केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त एक व्यक्ति करता है और जिसमें कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के सदस्य शामिल हैं, प्राथमिक जिम्मेदारी वहन करता है। फिर भी, कोई व्यापक प्रतिस्थापन शुरू नहीं हुआ है।



मिलकर बैठो और बांट कर खाओ, यही सच्चा मानव धर्म: साध्वी



दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मिलकर बैठो और बांट कर खाओ, यही सच्चा मानव धर्म है। जो अकेला खाता है, वह पापी है तथा जो बांटकर खाता है वह

धर्मात्मा है। जैसे बादल की धन्यता बरसने में है, पुष्प की धन्यता सुगंध में है, सूर्य की धन्यता प्रकाश फैलाने में है। उसी प्रकार मनुष्य की धन्यता जो उसके पास है, उसे बांट देने में है। जो भाग्यवान है, वह बांटता है और बांटने से ही मनुष्य भाग्यवान बनता है। इस जीवन में जो तुम्ह-रे पास है, उसे बांटने में लगा दो

और इस अवसर का लाभ उठाओ। साधु संतों का काम जप, तप सामयिक करना होता है। संसार में हर तरह के लोग होते हैं। कोई बुद्धिमान है तो कोई मूर्ख है। यह सब अपने कर्मों और पुण्यवाणी का खेल है। अच्छे संस्कार वालों को सभी इज्जत देते हैं। मूढ़ मुड़वाने से हरि नहीं मिलते हैं। संत इद्रियों के विजेता होते हैं। जो मिलता है उसमें वह खुश रहते हैं। कषाय को दूर करने वाले ही साधु संत कहलाते हैं। सिर्फ बाल दाढ़ी कटवाने से कोई संत नहीं होता है। उसके लिए तप त्याग करना होता है। गुरुदेव ने फरमाया कि जो जैसा करता है वैसा ही भरता है। इसलिए कर्मों से बच जाना चाहिए। कर्मों का उदय हुआ तो जीवन नर्क में चला जाएगा। इस मौके पर गौतमचंद धारीवाल की विशेष उपस्थिति थी। संचालन महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने किया।

का पात्र बन जाता है। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ ट्रस्ट की साध्वीवृंद की पावनतम सानिध्य में ऐतिहासिक कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। महेंद्र जैन ने बताया कि जावरा मध्यप्रदेश से शासन रत्न मोतीलाल चपरोत, बेलगावी से चेतन देवीचंद पोरवाल, सोनम चेतन पोरवाल, निम्बाहेडा से दिक्षिता जैन, बेंगलूरु से राजकुमार जैन, मनिष जैन का संघ की ओर से सुरेश कुमार संघवी, मोहनलाल जैन, अंबालाल जैन, महेंद्र जैन ने बहुमान किया। महिलाओं का बहुमान मधु सुरेश कुमार संघवी ने किया। सुरेश कुमार, मोहनलाल रतनचंद परिवार की ओर से अन्नदान रखा गया।

जो धर्म की आराधना करता है उसे देवता भी नमस्कार करते हैं: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जो सत्य को विपरीत समगाता है वो 'अज्ञ' है, जो सत्य को सीधे ढंग से समझता है वो 'सुज्ञ' है। जो तीक्ष्ण प्रज्ञा से सत्य के गहरे अर्थ को समझता है वह 'प्राज्ञ' है। प्राज्ञ पावन बन जाता है, सुज्ञ सद्गति पाता है और अज्ञ चार गति में परिभ्रमण करता है। उक्त विचार व्यक्त करते हुए साध्वी श्री पुण्ययशजी ने अपने मंगल उद्बोधन में धर्म की महत्ता को बताते हुए कहा जो धर्म की आराधना करता है उसे देवता भी नमस्कार करते हैं। प्रवचन से पूर्व साध्वी श्री संयमलता जी की सहवर्तिनी दो साध्वियां साध्वी श्री मार्दवयशजी और साध्वी श्री मनीषाप्रभाजी राजराजेश्वरी नगर में साध्वी बोधि प्रभाजी की ग्यारह दिन की तपस्या की सुखसाता की पृच्छा करने हेतु पधारी। साध्वी पुण्ययशजी, साध्वी विनीतयशजी, साध्वी वर्धमानयशजी ने एक गीतिका के माध्यम से साध्वियों की अगव-नी की। दोनों ग्रुप की साध्वियों के आध्यात्मिक मिलन का मनोहर दृश्य सबको



भाव विभोर कर रहा था। अगन्तुक साध्वियों ने एक सुमधुर गीतिका के माध्यम से साध्वी बोधिप्रभाजी के तप की अनुमोदना की। इस अवसर पर विजयनगर डिविनिटि, राजाराजेश्वरी नगर, बनेरघट्टा रोड, जितेन्द्र घोषल, विक्रम आदि उपस्थित थे। राजराजेश्वरी नगर के सभाध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने साध्वियों का

स्वागत करते हुए कृतज्ञता व्यक्त की। इस अवसर पर जितेन्द्र घोषल और विक्रम दुगड़ ने एक गीतिका के माध्यम से भावाभिव्यक्ति दी। उपासक विनोद जैन ने कविता के माध्यम से अपनी खुशी जाहिर की। बनेरघट्टा रोड से समागत नव निर्मित तेरापंथ सभा की टीम ने साध्वी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

मनुष्य को बुरे कर्मों से बचना चाहिए: संतश्री ज्ञानमुनिजी



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि जग में मनुष्य का कोई नहीं होता है। जो भी हो रहा है वह सब कर्मों का ही असर है। किसी को दुख दोगे तर्कलीफ दोगे तो नतीजा खराब होगा। किसी को खुश करोगे प्यार दोगे तो उसका परिणाम भी अच्छा ही मिलेगा। कोई नर महल में बैठ कर जीवन का आनंद ले रहा है तो कोई गडरी उठा कर कष्ट झेल रहा है। नजर भर के देख लो यह सब कर्मों का ही खेल है। कोई

पालकी में बैठा है तो कोई उसे उठाता था। सब कर्म की ही बात है। कोई मौज करता है तो कोई आह करता है। कभी कभी कर्म का भुगतान हाथों हाथ हो जाता है। कुछ मामलों में थोड़ा समय लगता है, लेकिन कुछ कर्म ऐसे होते हैं जिसमें तुरंत फल मिल जाता है। साधु संत भी अलग अलग होते हैं। सभी की पुण्यवाणी अलग अलग होती है। साधना और संयम से ही पुण्यवाणी बढ़ती है। साधना से मनुष्य का अपने आप ही चेहरा चमक जाता है। पुराने संत और भगवंत खूब साधना आराधना

करते थे। साधु संतों का काम जप, तप सामयिक करना होता है। संसार में हर तरह के लोग होते हैं। कोई बुद्धिमान है तो कोई मूर्ख है। यह सब अपने कर्मों और पुण्यवाणी का खेल है। अच्छे संस्कार वालों को सभी इज्जत देते हैं। मूढ़ मुड़वाने से हरि नहीं मिलते हैं। संत इद्रियों के विजेता होते हैं। जो मिलता है उसमें वह खुश रहते हैं। कषाय को दूर करने वाले ही साधु संत कहलाते हैं। सिर्फ बाल दाढ़ी कटवाने से कोई संत नहीं होता है। उसके लिए तप त्याग करना होता है। गुरुदेव ने फरमाया कि जो जैसा करता है वैसा ही भरता है। इसलिए कर्मों से बच जाना चाहिए। कर्मों का उदय हुआ तो जीवन नर्क में चला जाएगा। इस मौके पर गौतमचंद धारीवाल की विशेष उपस्थिति थी। संचालन महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने किया।

साध्वीवृंद के दर्शन वंदन का लिया लाभ



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस कर्नाटक प्रांत के तत्वावधान में युवा शाखा, कर्नाटक के सदस्यों ने शिवमोग्गा में चतुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय उप-प्रवर्तिनी महासती मणिप्रभाजी का सानिध्य प्राप्त किया। सदस्यों ने भावपूर्वक दर्शन एवं प्रवचन का लाभ लिया और धर्मचर्चा में सहभागी होकर आत्मिक शांति का अनुभव किया। पूरे कार्यक्रम में श्रद्धा और अनुशासन का अद्भुत समन्वय देखने को मिला। कर्नाटक प्रांतीय युवा अध्यक्ष आशीष भंसाली जैन ने युवा शाखा द्वारा किए जा रहे कार्य एवं योजन-1ओं की जानकारी दी तथा महामंत्री किशोर बाफना जैन ने शिवमोग्गा संघ को सुंदर व्यवस्था के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय युवा कानून सलाहकार मंत्री विशाल छल्लाणी जैन, पूर्व युवा प्रमुख मार्गदर्शक सुनील लोढ़ा जैन, कोषाध्यक्ष रूपेश सिसोदिया जैन, सह कोषाध्यक्ष सुनील बन्ब जैन, प्रांतीय संघटन मंत्री शंकर दक जैन, अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकारणी सदस्य उपस्थित थे। यह सूचना प्रांतीय युवा प्रचार-प्रसार मंत्री यश बाफना जैन ने दी।

मात्र सिद्ध स्वरूप ही आत्मा की स्वभाव दशा : साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्व-तवाधान में जैन भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी श्री इंदुप्रभा ने कहा कि साधना के पथ में धैर्य जरूरी है। साधक की कदम कदम पर परीक्षा होती है। आचार्य श्री जयमल जी अपने गुरु आचार्य भूधर जी के साथ राजस्थान के सांचौर पधारे तो उस समय वहां पर यतियों ने सभी को भ्रमित कर रखा हुआ था। मंत्र तंत्र के डर से कोई भी साधु संतों को स्थान प्रदान नहीं कर रहे थे। भूधर जी ने शिष्य संपदा के साथ यह ठान लिया था कि इस क्षेत्र का उद्धार करना है। वे अपने संकल्प पर दृढ़ रहे और यतियों की सभी चालों को अपनी साधना से हटाश कर ज्ञान चर्चा की चुनौती स्वीकार की। मुंहेपत्ती पर चली 3 घंटों की



चर्चा में यतियों को परास्त किया और आगम के प्रति आम जन की श्रद्धा को मजबूत कर जिनशासन की प्रभावना की। इससे पूर्व प्रवचन प्रारंभ करते हुए साध्वी श्री रिद्धिप्रभा जी ने कहा कि आत्मा का ख्याल रखने वाला सदैव जागरूक रहता है कि कितने कर्म कट रहे हैं और कितने नए बंध रहे हैं। जब तक कर्म बंधते रहेंगे, हमारी आत्मा विभाव दशा में ही

रहेगी। मात्र सिद्ध स्वरूप ही आत्मा की स्वभाव दशा है। प्रवचन सभा में समर्थमल कोठारी ने 27 उपवास के प्रत्याख्यान लिए। संघ की ओर से अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने तपस्वी का सम्मान किया। आशा बाई गु-लेच्छा ने 39 उपवास के प्रत्याख्यान लिए। अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन किया।

लोकसभा अध्यक्ष बिरला से बेंगलूरु में मिले प्रवासी, विविध विषयों पर की चर्चा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तिरुपति जाने से पहले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला यहां बेंगलूरु में अल्प प्रवास के लिए रुके। कुछ समय तक के अल्प प्रवास के दौरान राज भवन में राजस्थानी प्रवासी समाज के अनेक विशिष्ट गणमान्य लोगों ने उनसे शिष्टाचार भेंट की एवं स्वागत सत्कार भी किया।

साउथ वेस्टर्न रेलवे परामर्शदात्री समिति के सदस्य एवं सामाजिक कार्यकर्ता अश्विन सेमलानी ने बताया कि लोकसभा अध्यक्ष बिरला को प्रवासीजनों द्वारा अपनी कर्मभूमि एवं जन्मभूमि राजस्थान के गांव कुरूबों आदि में कराए जाने वाले विविध सामाजिक एवं रचनात्मक कार्यों की जानकारी भी दी गई। जिसकी बिरला ने भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए सराहना की।



उन्होंने बताया कि राजस्थान स्थित श्री विमलनाथ जैन संघ बिट्टड़ा पिरान के अध्यक्ष रमेश जे कोठारी ने भामाशाहों एवं अपने परिवार के द्वारा सामूहिक सहयोग से हुए कार्यों से अवगत कराते हुए आगामी दिनों में उन्हें संघ के एक कार्यक्रम में बतौर अतिथि शिरकत करने हेतु आमंत्रण का निवेदन भी किया। श्रीवरकाना पार्श्वनाथ जैन तीर्थ पेढ़ी के अध्यक्ष रमेश कुमार

कोठारी ने भी अपने विचार रखे। इस मौके पर युवा सामाजिक कार्यकर्ता विशाल बोहरा ने बेंगलूरु से भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या द्वारा प्रवासी लोगों के साथ-साथ सर्व समाज के लिए विविध क्षेत्रों में किए जाने वाले विभिन्न विकास कार्यों के बारे में भी विस्तार से बताया। इस मौके पर भानु प्रकाश समेत अन्य लोग भी मौजूद थे।

गुरु आशीर्वाद प्राप्त कर लौटा राजाजीनगर तेरापंथ धर्म संघ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

युग प्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी के पावन आशीर्वाद से बेंगलूरु शहर में विराजित सभी चरित्र आत्माओं की पावन प्रेरणा से श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा ट्रस्ट राजाजी नगर के तत्वावधान में तीन दिवसीय गुरु दर्शनार्थ संघ सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

सभा अध्यक्ष अशोक चौधरी के नेतृत्व में 70 सदस्यों का यह संघ 10 सितंबर को प्रातः हवाई जहाज द्वारा अहमदाबाद के लिए



रवाना हुआ। सभा अध्यक्ष अशोक चौधरी ने अति उत्साह के साथ गुरुदेव के श्री चरणों में संपूर्ण राजाजी नगर समाज की ओर से वंदना अरज करते हुए संवत्सरी

महापर्व के उपलक्ष में क्षमा याचना की।

भवन में गतिशील सभी गतिविधियों से अवगत कराते हुए प्रतिवर्ष चातुर्मास एवं शेष काल

में चरित्र आत्माओं के दीर्घ प्रवास प्रदान करने के लिए निवेदन किया। गुरुदेव ने संपूर्ण राज-जीनगर तेरापंथ श्रावक समाज के आध्यात्मिक उत्थान के लिए मंगल आशीर्वचन प्रदान किया। सभी संघ यात्रियों ने मुख्यमुनिश्री, साध्वी प्रमुखा श्री, साध्वी बर्याजी एवं गुरुकुल वास में विराजित अनेक साधु साध्वियों के सेवा दर्शन का लाभ लिया। मंत्री चंद्रेश मांडोत ने मुख्यमुनि प्रवर के समक्ष संपूर्ण श्रावक समाज की ओर से वंदना अरज करते हुए क्षमा

याचना की एवं सभा की गतिशील गतिविधियों से अवगत कराते हुए चातुर्मास एवं दीर्घप्रवास के लिए गुरुदेव से सिफारिश करने के लिए निवेदन किया। मीडिया प्रभारी रनित कोठारी ने साध्वी प्रमुखा श्रीजी को संपूर्ण श्रावक समाज की ओर से वंदना अरज करते हुए सभा गतिविधियों की जानकारी प्रदान की। गुरु दर्शनार्थ संघ के आयोजन को सफल बनाने में संयोजक रनित कोठारी एवं गौतम टेबा ने अथक श्रम का संयोजन किया।

राज्यपाल ने 32 विधेयकों पर हस्ताक्षर किए: एच.के. पाटिल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधि एवं संसदीय कार्य मंत्री एच.के. पाटिल ने बताया कि मानसून सत्र में पारित 37 विधेयकों में से राज्यपाल ने 32 पर हस्ताक्षर कर दिए हैं और उन्हें राजपत्र में प्रकाशित कर दिया गया है।

इस संबंध में एक प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए उन्होंने कहा कि यह एक रिकार्ड है कि एक ही दिन में 15 विधेयक राजपत्र में प्रकाशित हुए हैं। विधानसभा और



विधान परिषद में प्रस्तुत 39 विधेयकों में से दो विधेयक संयुक्त प्रवर समिति के समक्ष जाँच के लिए प्रस्तुत किए गए हैं। उन्होंने बताया कि राज्यपाल ने राज्य सरकार के अनुरोध पर तीन विधेयक राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के

लिए प्रस्तुत किए हैं क्योंकि ये केंद्र सरकार के कानूनों में संशोधन हैं। एच.के. पाटिल ने बताया कि एक विधेयक राज्यपाल के पास हस्ताक्षर के लिए लंबित है, जबकि दूसरा विधेयक राज्यपाल को प्रस्तुत किया जा रहा है।

निःशुल्क बीएमडी जांच शिविर आयोजित



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर, डेंटल केयर एवं डे केयर श्रीरामपुरम के अंतर्गत 61वें अभातेयुप स्थापना दिवस के उपलक्ष में निःशुल्क बीएमडी जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की शुरुआत सामूहिक नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से हुई। बोन मिनरल डेंसिटी जांच के माध्यम से हड्डियों की कमजोरी की जांच की गई। तत्पश्चात डॉक्टर मोहित नाहटा ऑर्थोपेडिक जॉइंट रिप्लेसमेंट स्पेशलिस्ट द्वारा निःशुल्क परामर्श प्रदान किया गया। डॉक्टर द्वारा विभिन्न प्रकार की कैल्शियम युक्त चीजों का सेवन, नियमित व्यायाम आदि की सलाह

प्रदान की गई। इस शिविर से कुल 75 सदस्य लाभान्वित हुए। सभी सदस्यों को एटीडीसी एवं डे केयर हॉस्पिटल द्वारा प्रदत्त विभिन्न सेवाओं से अवगत करवाया गया। स्थानीय लोगों ने मानव सेवा के इस उपक्रम की खूब खूब सराहना की एवं समय समय पर विशेष अवसरों पर शिविर लगाना हेतु धन्यवाद व्यक्त किया। शिविर को सुव्यवस्थित आयोजन करने में एटीडीसी संयोजक राजेश देवासरीया, तेयुप निवर्तमान अध्यक्ष एवं डे केयर के संयोजक कमलेश चौरडिया एवं तेयुप मंत्री अनिमेष चौरडिया सहयोग रहा। एटीडीसी स्टाफ स्मिता, सहेली, श्यामला, धनुश्री एवं दीपाश्री का विशेष श्रम निर्योजित हुआ।

नशा मुक्ति के लक्ष्य को लेकर वॉकथॉन का आयोजन



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के तत्वावधान में तेरापंथ युवक परिषद एचबीएसटी हनुमंतनगर अध्यक्ष स्वरूप चोपड़ा के नेतृत्व में फिट युवा के अंतर्गत एमबीडीडी रक्तदान अमृतमहोत्सव 2 और नशा मुक्ति के लक्ष्य को लेकर वॉकथॉन का आयोजन किया गया। एटीडीसी हनुमंतनगर से प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गों द्वारा 2 किलोमीटर की दूरी तय की गई। रैली की शुरुआत जय जय महाश्रमण के उद्बोध के साथ

हुई, जिससे वातावरण में उत्साह भर दिया। परिषद के कार्यकर्ताओं ने इस दौरान लोगों में नशे से दूर रहने का संदेश फैलाने के साथ-साथ 17 सितंबर को होने वाले रक्तदान ड्राइव अभियान के प्रचार-प्रसार का भी अभियान चलाया। रक्त दान शिविर आयोजित होने वाले स्थानों, जैसे चोरडिया भवन, एटीडीसी के आसपास लोगों को रक्त दान के प्रति जागरूक व दूसरों को प्रेरित कर रक्त दान करने के लिए प्रोत्साहित करने को कहा। युवाओं को नशा मुक्त

जीवनशैली को अपनाने के प्रति प्रेरित किया, क्योंकि समाज में नशे का बढ़ता प्रकोप चिंता का विषय है, और हमें मिलकर इस पर नियंत्रण पाने हेतु प्रयासरत रहना चाहिए। इस तरह के कार्यक्रम निरंतर आयोजित कर युवाओं को जागरूक किया जाएगा ताकि वे नशे से दूर रहकर स्वस्थ और समर्थ जीवन जी सकें। इस अवसर पर तेरापंथ युवक परिषद से परामर्शकॉण, पदाधिकारीगण, कार्यकारणी सदस्य, समिति सदस्य व सदस्यों की उपस्थिति रही।



पीपीएफआई का इंडिया विजन : भारत को इस्लामी मुल्क बनाना

पीपीएफआई के कमांडर महबूब आलम ने खोले कई राज

पटना, 15 सितंबर (एजेंसियां)। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने 14 सितंबर को पांपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीपीएफआई) के बिहार राज्य अध्यक्ष महबूब आलम उर्फ महबूब आलम नदवी को गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई 2022 के फुलवारीशरीफ आपराधिक साजिश मामले से जुड़ी हुई है।

महबूब आलम बिहार के कटिहार जिले के हसनगंज इलाके का रहने वाला है। उसे किशनगंज से पकड़ा गया। वह इस मामले में गिरफ्तार और चार्जशीट किए गए कुल 26 आरोपितों में से 19वां आतंकी है। यह केस पीएफआई की उन गतिविधियों से जुड़ा है, जिनका मकसद धार्मिक नफरत फैलाकर समाज में डर और आतंक का माहौल बनाना और देश विरोधी साजिशों को अंजाम देना था। एनआईए के मुताबिक, यह मामला शांति और सौहार्द बिगाड़ने, लोगों में असंतोष फैलाने और देश के खिलाफ हिंसा को बढ़ावा देने से जुड़ा है। यह मुकदमा सबसे पहले स्थानीय पुलिस ने 26 संदिग्धों के खिलाफ दर्ज किया था। एजेंसी



ने बताया कि आरोपित अवैध और देश विरोधी गतिविधियों में शामिल थे, जिनका लक्ष्य था, धार्मिक उन्माद भड़काना, समाज में अशांति फैलाना और हिंसा को हथियार बनाकर अपने मकसद पूरे करना। जांच एजेंसी ने खुलासा किया कि महबूब आलम और दूसरे आरोपित पीएफआई के उस विजन डॉक्यूमेंट पर काम कर रहे थे, जिसे 11 जुलाई 2022 को फुलवारीशरीफ स्थित अहमद पैलेस से बरामद किया गया था। इसी दस्तावेज में संगठन की गुप्त योजना का जिक्र था। एनआईए ने बताया कि महबूब आलम इस साजिश का हिस्सा था और उसने भर्ती, ट्रेनिंग, बैठकों और अन्य देशविरोधी गतिविधियों में भाग लिया। इतना ही नहीं, उसने फंड

भी जुटाया और इसे अपने साथियों और पीएफआई कार्यकर्ताओं तक पहुंचाया। एजेंसी ने कहा कि इस मामले की जांच बीएनएस और यूएपीए (गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम) के तहत जारी है। जांच में पता चला कि आलम और उसके साथी एक गुप्त विजन डॉक्यूमेंट पर काम कर रहे थे। इसका नाम इंडिया विजन 2047 था। बिहार पुलिस ने जुलाई 2022 में आठ पत्रों का एक दस्तावेज जब्त किया था। जिस दस्तावेज का मकसद साफ था, वे 2047 तक भारत में इस्लामी शासन स्थापित करने की योजना बना रहे थे। इसमें कहा गया कि अगर कुल मुस्लिम आबादी का मात्र 10 प्रतिशत भी उनका साथ दे दे तो वे बहुसंख्यक समुदाय

को दबाकर अपना वर्चस्व कायम कर लेंगे। डायरेक्ट रोडमैप में भर्ती और प्रशिक्षण पर जोर था। खासकर एक पीई विंग बनाकर उन्हें तलवार, डंडे और अन्य हथियार चलाने की ट्रेनिंग दी जाएगी ताकि आक्रामक व रक्षात्मक दोनों काम कर सकें। साथ ही सरकारी विभागों, कोर्ट, पुलिस और सेना में विश्वासी मुसलमान घुसाने की रणनीति बताई गई थी। दस्तावेज ने विरोधियों को अलग-थलग करने और जरूरत पड़ी तो हटा देने तक की बात कही थी। रणनीति में मीडिया-आउटरीच, हर इलाके में पीएफआई की मौजूदगी और संघ या परिवार के नेताओं के खिलाफ जानकारी इकट्ठा करने जैसे कदम भी बताए गए थे। आखिरी हिस्से में कहा गया कि सीधी लड़ाई की स्थिति में विदेशों, खासकर तुर्की जैसे मित्र इस्लामी देशों से मदद ली जाएगी। इस दस्तावेज में लिखा था कि 2047 तक भारत को इस्लामी राष्ट्र बनाने की योजना है। इस दस्तावेज में पीएम मोदी पर हमले की साजिश का भी जिक्र था।

दस्तावेज में साफ लिखा था कि सिर्फ 10% मुस्लिमों की मदद से भी कायर हिंदुओं को दबाया जा सकता है। योजना में विदेशी इस्लामी देशों, खासकर तुर्की से मदद लेकर भारत के खिलाफ हथियारबंद विद्रोह खड़ा करने की बात थी। इसके बाद एनआईए ने 17 राज्यों में छापेमारी की। इसमें बम बनाने के मैनुअल, ट्रेनिंग मॉड्यूल, विजन 2047 डॉक्यूमेंट और एक सीडी जब्त की गई। इन सबका मकसद था भारत में दहशत फैलाना और इस्लामी शासन थोपना। इन खुलासों के बाद सितंबर 2022 में केंद्र सरकार ने पीएफआई और उसके सहयोगी संगठनों पर 5 साल का बैन लगा दिया। सरकार ने साफ कहा कि ये सभी संगठन यूएपीए कानून के तहत अवैध गतिविधियों में शामिल हैं। बैन किए गए संगठनों में ऑल इंडिया इमाम्स काउंसिल, कैपस फ्रंट ऑफ इंडिया (सीएफआई), रहाब इंडिया फाउंडेशन, एनसीएचअ-रओ, नेशनल वीमेन फ्रंट, जूनियर फ्रंट, एम्पावर इंडिया फाउंडेशन और रहाब फाउंडेशन, केरल भी शामिल हैं।

एक माह बीतने के बाद भी मचेल में लापता लोग नहीं मिल पाए



जम्मू, 15 सितंबर (ब्यूरो)। मचेल माता के बेस कैंप चिशोती में एक माह पहले बादल फटने की घटना में लापता लोग अभी तक नहीं मिल पाए हैं। हालांकि इन लापता होने वालों की संख्यां पर अभी भी विवाद है क्योंकि मुख्यमंत्री यह संख्या 70 से अधिक बताते हैं तो आधिकारिक रिकार्ड में यह 32 है। हालांकि अभी तक 72 शव निकाले जा चुके हैं। ये तीर्थयात्री 14 अगस्त के खूनी दिन, पहाड़ी किश्तवाड़ जिले में देवी चंडी के मंदिर जाते समय चिशोती में हुए बादल फटने की त्रासदी का शिकार हो गए थे। इस आपदा में कई तीर्थयात्री मारे गए थे और कई अन्य लापता हो गए थे, जिनमें से कुछ के शव कई दिनों की कड़ी मशकत के बाद ही बरामद हो पाए थे। लापता हुए बदकिस्मत 32 तीर्थयात्रियों का अब तक कोई सुराग नहीं मिला है। वैसे बादल फटने के बाद, बचावकर्मियों ने लगभग 167 तीर्थयात्रियों को बचाया और इस त्रासदी में 72 अन्य तीर्थयात्रियों की मौत हो गई, जबकि कई लापता घोषित कर दिए गए और बचावकर्मियों ने आपदा प्रभावित क्षेत्र के विभिन्न स्थानों से कुछ लापता व्यक्तियों के कटे हुए अंग भी बरामद किए। लापता लोगों की

तलाश के लिए लगातार प्रयास जारी हैं, लेकिन खोजकर्ताओं को अभी तक उनका कोई सुराग नहीं मिला है। अब जबकि यह त्रासदी लगभग एक महीना पुरानी हो चुकी है, लापता लोगों के परिजन मृतकों से जुड़े रीति-रिवाजों को लेकर गहरे शोक और असमंजस में हैं, क्योंकि उन्हें अब भी उम्मीद है कि उनके लापता प्रियजन किसी दिन स्वस्थ होकर अपने परिवारों से मिल पाएंगे। हालांकि इन लापता लोगों के परिजन और अन्य प्रियजन कुछ दिनों तक घटनास्थल पर रुके और खोजकर्ताओं की हर सफलता पर उत्सुकता से नजर रखी, लेकिन कई दिनों तक कोई सफलता न मिलने पर, वे खोज अभियान की जानकारी के लिए प्रशासन, पुलिस और कुछ स्थानीय पत्रकारों के फोन नंबर लेकर अपने घर के लिए रवाना हो गए। लापता प्रियजनों को खोजने में कोई कसर नहीं छोड़ते हुए, कुछ खोए हुए तीर्थयात्रियों के परिजनों ने विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर लापता तीर्थयात्रियों की तस्वीरें और अन्य विवरण भी पोस्ट किए। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि कई दिन बीत जाने के कारण शव सड़ गए होंगे या नदी में बहकर किसी और जगह चले गए होंगे।

राजमार्ग बंद के विरोध में कश्मीर की फल मंडियां बंद



जम्मू, 15 सितंबर (ब्यूरो)। फलों से लदे ट्रकों की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने में सरकार की विफलता के विरोध में सोमवार को कश्मीर भर की फल मंडियों में पूर्ण बंद रहा। उत्पादकों ने चेतावनी दी है कि अगर श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग दो दिनों के भीतर पूरी तरह से बहाल नहीं हुआ तो वे घाटी भर में हड़ताल करेंगे। इस बीच श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग पर व्यवधान के कारण घाटी भर में फल मंडियों के बंद होने के बीच, कृषि उत्पादन विभाग और बागवानी मंत्री जाविद अहमद डार राजमार्ग की स्थिति का जायजा लेने और फलों से लदे ट्रकों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने के उपाय खोजने के लिए तुरंत पहुंचे थे। सोपोर स्थित एशिया की दूसरी सबसे बड़ी फल मंडी में भावुक दृश्य देखने को मिले, जहां उत्पादकों ने नम आंखों से उद्योग के अस्तित्व की गुहार लगाई। प्रदर्शन के दौरान कई बागवान रो पड़े और उन्होंने कहा कि उनकी साल भर की मेहनत फंसे हुए ट्रकों में सड़ रही है और सरकार चुपचाप देख रही है। विरोध प्रदर्शन में बोलते हुए, अध्यक्ष फयाज अहमद मलिक ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला पर लोगों को निराश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अगर मुख्यमंत्री फलों के ट्रकों की आवाजाही सुनिश्चित नहीं कर सकते, तो उन्हें पद पर बने रहने

का कोई अधिकार नहीं है। अगर आप कुछ नहीं कर सकते, तो इस्तीफा दे दीजिए और कहा कि किसी भी विधायक ने उत्पादकों के पक्ष में आवाज नहीं उठाई। उत्पादकों ने आरोप लगाया कि लोहा और अन्य वस्तुओं से लदे ट्रकों को तो जाने दिया जा रहा है, लेकिन फलों से लदे वाहनों को जानबूझकर रोका जा रहा है। मलिक ने तनाव बढ़ने की चेतावनी देते हुए कहा कि अगर 48 घंटों के भीतर राजमार्ग बहाल नहीं किया गया, तो उत्पादक घाटी भर में हड़ताल की घोषणा करेंगे, जिससे पूरे क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियां ठप हो सकती हैं। गौरतलब है कि सोपोर, हंदवाड़ा, शोपियां, कुलगाम, अनंतनाग और अन्य सहित घाटी भर की मंडियां 14 और 15 सितंबर को दो दिवसीय बंद के आह्वान के तहत बंद रही। इस बीच किसानों के बीच पहुंचे डार ने कहा कि वह व्यक्तिगत रूप से स्थिति का आकलन कर रहे हैं और राजमार्ग पर सेब के ट्रकों की सुचारू आवाजाही के लिए क्या करने की आवश्यकता है, इसकी जांच कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं आज इस मुद्दे पर चर्चा करने के लिए रामबन में अधिकारियों के साथ बैठक करूंगा तथा सैकड़ों ट्रकों के फंसे रहने की समस्या का आकलन करने तथा समाधान ढूंढने के लिए उधमपुर भी जाऊंगा।

डोडा पुलिस ने सोशल मीडिया पर फर्जी खबरों के खिलाफ चेताया

तीन दिनों में 300 सोशल मीडिया अकाउंट ब्लॉक

जम्मू, 15 सितंबर (ब्यूरो)। डोडा के विधायक और आप पार्टी के प्रदेश प्रमुख मेहराज मलिक को पीएसए के तहत गिरफ्तार किए जाने के बाद डोडा जिले में न सिर्फ माहौल गर्म है बल्कि सोशल मीडिया पर आग फैलाने का काम तेजी से चल रहा है।

पुलिस ने पिछले तीन दिनों में करीब 300 सोशल मीडिया खातों को ब्लॉक किया है, फिर

भी फर्जी खबरों का प्रसारण रुक नहीं पा रहा है। ऐसे में डोडा पुलिस ने लोगों से फर्जी खबरें, पुराने वीडियो, नफरत भरे भाषण या ऐसी कोई भी सामग्री शेयर न करने की अपील की है जिससे परेशानी या अशांति फैल सकती है। एसएसपी डोडा संदीप मेहता ने कहा कि ऐसी असत्यापित सामग्री शेयर करना अपराध है और आईटी एक्ट और भारतीय दंड संहिता के तहत कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने जिला मजिस्ट्रेट के एक पूर्व आदेश (संख्या 3471-74/डीएम डोडा दिनांक

03.09.2025) का भी जिक्र किया, जिसमें सभी को आनलाइन सावधानी बरतने की याद दिलाई गई थी। पुलिस ने लोगों से आग्रह किया है कि वे किसी भी जानकारी को फारवर्ड करने से पहले उसकी जांच कर लें और झूठी या हानिकारक पोस्ट की सूचना नजदीकी पुलिस स्टेशन या हेल्पलाइन पर दें। पुलिस ने कहा कि वे ज़िल में शांति बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं और अपवाहों और गलत सूचनाओं को फैलने से रोकने के लिए जनता का सहयोग चाहते हैं।

तिरंगे की जगह इस्लामिक झंडा लगाने का उकसावा

बलिया में मौलाना शहाबुद्दीन गिरफ्तार

बलिया, 15 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के जमीन पडसरा गांव में मौलाना शहाबुद्दीन को हिंदू विरोधी टिप्पणी करने और आरएसएस के खिलाफ बयानबाजी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। भाषण में उसने लोगों को इस्लाम का झंडा लगाने के लिए उकसाया था।

यह घटना बारावफात के जलसे के दौरान की है। जहां नगरा थाना क्षेत्र के जमीन पडसरा जामा मस्जिद के मौलाना शहाबुद्दीन ने अपने भाषण में आरएसएस और हिंदुत्व को लेकर विवादित टिप्पणी की। इसके अलावा उसने यह भी कहा कि जब हिंदू लोग हिंदुत्व को बढ़ावा देने के लिए झंडा लगाते हैं, तो इस्लाम का झंडा भी लगाना चाहिए। मौलाना ने भारत के तिरंगे पर सवाल उठाते हुए कहा कि सीधे-सीधे इस्लाम का झंडा लगाना चाहिए। उसने कहा कि जैसे हिंदुत्व जिंदाबाद है, वैसे ही इस्लाम जिंदाबाद करना चाहिए, नहीं तो लोग पीसे जाते रहेंगे।



भेजी गई है और उच्चस्तरीय जांच की सिफारिश की गई है। जांच के दौरान समिति को पता चला कि जेम्स टेलरिंग इंस्टीट्यूट में गरीब परिवार के बच्चों को झांसा देकर लाया जाता था और उनका धर्मांतरण कराया जाता है। 27 अगस्त 2025 को गया जिले की एक किशोरी लापता हो गई थी। उसकी मां ने 30 अगस्त को इंद्रपुरी थाने में पीएफआईआर दर्ज कराई। इसके बाद बाल कल्याण समिति ने 8 सितंबर 2025 को स्कूल परिसर में जांच

की। जांच टीम में समिति के अध्यक्ष संतोष कुमार, सदस्य ददन पांडेय, गायत्री कुमारी, इंद्रपुरी की थानाध्यक्ष माधुरी कुमारी और प्रधान प्रोबेशन पदाधिकारी प्रशांत सिंह विष्ट शामिल थे। जब समिति के लोग जेम्स टेलरिंग इंस्टीट्यूट पहुंचे तो वहां 7-8 बच्चियों को सिलाई सिखाई जा रही थी। जांच के दौरान बच्चियों का नामांकन रजिस्टर, हाजिरी पंजी या अन्य कोई वैध दस्तावेज नहीं मिला। संस्था कब से चल रही है, किस

आधार पर बच्चियों को रखा गया है इसका भी कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। इस दौरान टीम ने पाया कि एक लड़की जोर-जोर से रो रही थी और दो लोग उसे खींचकर ले जा रहे थे। पूछने पर कहा गया कि उसके पेट में दर्द है। बताया गया कि वह ऐसे ही करती रहती है। इंद्रपुरी थानाध्यक्ष व समिति सदस्य गायत्री कुमारी ऊपर गईं। वहां लड़की को चुप कराने के लिए बुरी तरह पीटा जा रहा था। टीम ने बच्ची को रेस्क्यू कर उसे इलाज के लिए भेजा, लेकिन डॉक्टर ने इलाज करने से मना कर दिया। इसके बाद उसे समिति में लाया गया। महिला काउंसलर से बात करने पर लड़की ने बताया कि चार लोगों ने उसके साथ रेप किया था। मेडिकल जांच के बाद उसे बालिका गृह भेजा गया। 9 सितंबर 2025 को समिति

की सदस्य गायत्री कुमारी की निगरानी में जिला बाल संरक्षण इकाई, चाइल्ड हेल्पलाइन और इंद्रपुरी थाना अध्यक्ष की टीम ने वहां से कुल सात बच्चियों को मुक्त कराया। समिति ने बताया कि इन सभी बच्चियों को बालिका गृह में शिफ्ट कर दिया गया है। टीम द्वारा दी गई रिपोर्ट में बच्चियों के बयान दर्ज हैं। उनमें से कई बच्चियों ने नामांकन फॉर्म में जो जानकारी दी थी, उससे यह संदेह हुआ कि वहां धर्मांतरण से जुड़ी गतिविधियां चल रही थीं। इस आधार पर समिति ने जिलाधिकारी से मांग की है कि एक अद्वैतीय जांच समिति बनाई जाए और पूरे मामले की गहराई से जांच की जाए। सासाराम के एसपी रौशन कुमार ने भी कहा है कि डीएम स्तर से जांच टीम का गठन किया जाए और रिपोर्ट आने के बाद जरूरी कार्रवाई की जाएगी।

वैष्णो देवी और पुंछ को नहीं मिल पा रही भूस्खलन से मुक्ति



अधिकारियों ने बताया कि लगभग 95 घरों में दरारें आ गई हैं और लगभग 700 निवासियों को अस्थायी आश्रयों में पहुंचाया गया है। कलाबन के एक किसान मोहम्मद यूसुफ, जिन्हें उनके परिवार के साथ एक सरकारी स्कूल में स्थानांतरित कर दिया गया था, ने बताया कि रातों-रात

जमीन के कुछ हिस्से धंस गए और हमारे घरों की दीवारें टूटने लगीं। हमने सब कुछ पीछे छोड़ दिया, यह नहीं जानते हुए कि हम कभी वापस लौट भी पाएंगे या नहीं। जिला अधिकारी ने कहा कि एहतियात के तौर पर पुनर्वास किया गया है और आश्रयों में राहत सामग्री और चिकित्सा दल तैनात किए गए हैं। मंदर प्रशासन

के एक अधिकारी ने कहा कि हमारी प्राथमिकता सुरक्षा है। हम सभी प्रभावित परिवारों को भोजन, बिस्तर और आवश्यक सहायता प्रदान कर रहे हैं। इस बीच बदले मौसम और लगातार हो बारिश ने वैष्णो देवी यात्रा के शुरू होने से पहले ही यात्रा मार्ग को एक बार फिर अवरुद्ध कर दिया। रातभर हुई भारी बारिश के कारण मां वैष्णो देवी के पारंपरिक मार्ग पर सांझी छत क्षेत्र में भूस्खलन होने से पत्थर और मलबा मार्ग पर आ गया है। इसके चलते रविवार से मां वैष्णो देवी की यात्रा शुरू नहीं होने से श्रद्धालु मायूस नजर आए। दिनभर यात्रा के प्रवेश द्वार दर्शनी छोटोटी पर श्रद्धालु बैठे रहे थे। मार्ग से मलबा हटाने के लिए युद्धस्तर पर काम जारी है। इस कार्य में माता वैष्णो देवी ग्राइन बोर्ड के कर्मचारी जुटे हुए हैं।



लखनऊ में सीएसआईआर स्टार्टअप कॉन्क्लेव 2025 का समापन

यूपी बना निडर व्यवसाय का नया केंद्र : योगी आदित्यनाथ

उत्तर प्रदेश में सक्रिय हैं 17 हजार से अधिक स्टार्टअप, इनमें 8 यूनिकॉर्न शामिल

लखनऊ, 15 सितंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को राजधानी लखनऊ में आयोजित सीए-सआईआर स्टार्टअप कॉन्क्लेव 2025 के समापन समारोह में हिस्सा लिया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदर्शनी में विभिन्न स्टार्टअप उत्पादों का अवलोकन किया और अपने संबोधन में उत्तर प्रदेश की उपलब्धियों और भविष्य की दिशा को सबके सामने रखा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश ने बीते साढ़े आठ वर्षों में सुरक्षा का उत्कृष्ट वातावरण दिया है। फियरलेस बिजनेस का केंद्र उत्तर प्रदेश बन चुका है। ईज ऑफ़ डूइंग बिजनेस में भी यूपी आज अग्रणी है। अब ट्रस्ट ऑफ़ डूइंग बिजनेस यूपी की नई पहचान है। व्यवसाय के लिए सुरक्षा, सुगमता और मजबूत इको सिस्टम जरूरी है और यह तीनों आज उत्तर प्रदेश में मौजूद हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार केवल नीतियां नहीं बना रही, बल्कि युवाओं, उद्यमियों और वैज्ञानिकों के विचारों को पंख दे रही है। सरकार हर योग्य स्टार्टअप के साथ खड़ी है। हम प्रयोगशाला से उद्योग तक युवाओं का साथ दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर शोध उत्पाद बने, हर उत्पाद उद्योग बने और हर उद्योग भारत की शक्ति बने। यही विकसित भारत और विकसित यूपी का मंत्र है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग से यह कॉन्क्लेव लखनऊ में आयोजित हुआ। मुख्यमंत्री ने बताया कि यहां केंद्रीय प्रयोगशाला-1700-एनबीआरआई, सीडीआरआई, आईआईटीआर और सीमैप के निदेशकों ने भविष्य की कार्ययोजना प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि विज्ञान और तकनीक में जितना निवेश होगा, समाज उतना



प्रगतिशील बनेगा और वही देश दुनिया का नेतृत्व करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में भारत में स्टार्टअप इकोसिस्टम तेजी से बढ़ा है। आज भारत में 1 लाख 90 हजार स्टार्टअप हैं और हम अमेरिका व ब्रिटेन के बाद तीसरे स्थान पर हैं। प्रधानमंत्री जी की सोच थी कि युवा जॉब सीकर नहीं, जॉब क्रिएटर बने। उसी संकल्पना को यूपी ने मजबूती से आगे बढ़ाया है। प्रदेश में 17 हजार से अधिक स्टार्टअप सक्रिय हैं, जिनमें 8 यूनिकॉर्न शामिल हैं। यहां 72 इनक्यूबेटर्स और 7 सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस स्थापित हो चुके हैं। स्टार्टअप को प्रोत्साहन देने के लिए सरकार ने 137 करोड़ रुपए की सहायता भी उपलब्ध कराई है।

उन्होंने बताया कि हेल्थकेयर, एग्री, बायोटेक, ब्यूटी और एन्वायरनमेंट जैसे क्षेत्रों में स्टार्टअप ने उल्लेखनीय कार्य किया है। प्रगतिशील किसानों के प्रयासों से अन्य किसानों का जीवन भी बदल रहा है। पहले अनुसंधान लेब तक सीमित रह जाता था, लेकिन अब लेब टू लैंड और लेब टू इंडस्ट्री की दिशा में काम हो रहा है। यही सहयोगी भावना स्टार्टअप



को बाजार से जोड़ेगी और उनकी सफलता तय करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी आज ग्लोबल टेक और इनोवेशन हब के रूप में स्थापित हो रहा है। स्टार्टअप और स्टैंडअप की यह व्यवस्था आत्मनिर्भर भारत का आधार बनेगी। उन्होंने वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) योजना का उदाहरण देते हुए कहा कि परंपरागत उद्योगों और एमएसएमई को तकनीक, डिजाइन, पैकेजिंग और मार्केट से जोड़ा गया। इसका नतीजा है कि आज यूपी से प्रतिवर्ष दो लाख करोड़ रुपए का निर्यात हो रहा है। 2017 से पहले प्रोत्साहन के अभाव में श्रमिकों और युवाओं का पलायन होता था, लेकिन अब 96 लाख एमएसएमई इकाइयों में दो करोड़ लोग कार्यरत हैं। 75 जिलों के 77 उत्पादों को जीआई टैग मिला है, जिससे उनकी वैश्विक मांग बढ़ी है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि एनबीआरआई ने जैविक खेती को बढ़ावा देते हुए 9 लाख एकड़ भूमि पर किसानों को जैविक खाद उपयोग के लिए प्रेरित किया। सीडीआरआई नई दवाओं के शोध पर

काम कर रहा है, जिससे फार्मा पार्क और मेडिकल डिवाइस पार्क को बढ़ावा मिल रहा है। आईआईटीआर ने आर्सेनिक और फ्लोराइड की समस्या वाले क्षेत्रों में महत्वपूर्ण शोध किया है, वहीं सीमैप ने पिपरमिट और स्पिरिचुअल टूरिज्म से जुड़े उत्पादों पर नई दिशा दी है। दो दिवसीय इस स्टार्टअप कॉन्क्लेव ने न केवल उत्तर प्रदेश, बल्कि पूरे देश के स्टार्टअप इकोसिस्टम को नई दिशा और ऊर्जा प्रदान की है। इस अवसर पर विभिन्न स्तरों पर कई एमओयू का आदान-प्रदान हुआ और अनेक स्टार्टअप ने अपने उत्पाद लॉन्च किए।

कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, सीएसआईआर-एनबीआरआई के निदेशक एके शासनी, सीएसआईआर-सीडीआरआई के निदेशक राध रंगराजन, सीमैप के निदेशक सुबोध कुमार त्रिवेदी, आईआईटीआर के निदेशक भास्कर नारायण समेत देशभर के वैज्ञानिक, उद्योग जगत से जुड़े सीएमडी, सीईओ, वीसी, अकादमिक संस्थानों के प्रमुख, प्रगतिशील किसान और अन्य स्टेकहोल्डर्स मौजूद रहे।

लखनऊ स्टार्टअप हब बनने की ओर अग्रसर: डॉ. जितेंद्र सिंह

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने लखनऊ में आयोजित सीएसआईआर स्टार्टअप कॉन्क्लेव के दौरान कहा कि वे हमेशा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के स्नेह और सहयोग के पात्र रहे हैं और यूपी में किसी भी कार्यक्रम को लेकर वैज्ञानिकों को हमेशा मुख्यमंत्री का मार्गदर्शन और आशीर्वाद मिलता रहा है। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप के मामले में जिस प्रकार हैदराबाद और दक्षिण भारत के शहर विकसित हुए हैं, वैसे ही पोटेंशियल लखनऊ में भी मौजूद है। लखनऊ से मिंट की गोली पूरी दुनिया को मिली और मुख्यमंत्री जी के सहयोग से साहिबाबाद स्थित सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक लिमिटेड, जो पहले घाटे में था, अब दो साल में ही प्रॉफिट मेंकिंग संस्थान बन गया है। डॉ. सिंह ने बताया कि 1977 में इसी यूपी से हिन्दुस्तान का पहला सोलर सेल बना था और अब लखनऊ में नया बायोटेक्नोलॉजी पार्क और साइंस म्यूजियम भी स्थापित किया जाएगा। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि लखनऊ में स्थित देश का सबसे पुराना बॉटेनिकल गार्डन और वहां बना स्वास्तिक लोटस गार्डन, जिसमें दुनियाभर के कमल के फूल लगाए गए हैं, भविष्य में एक बड़े पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित हो सकता है।

मॉल और मार्ट का मालिक उस्मान गनी गिरोह का सरगना देवरिया में भी सक्रिय है धर्मांतरण गिरोह छांगुर से लिंक

देवरिया, 15 सितंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले में एक बड़े धर्मांतरण सिंडिकेट का खुलासा हुआ है, जिसका लिंक छांगुर गिरोह से है। इस सिंडिकेट का मुख्य सरगना उस्मान गनी है। वह एसएस मॉल और ईजी मार्ट का संचालक है।

एसएस मॉल का मालिक उस्मान गनी, उसकी बीवी तरनुम और साले गौहर अली पर उसी मॉल में काम करने वाली एक युवती ने धर्मांतरण और यौन शोषण के गंभीर आरोप लगाए हैं। इस मामले में एफआईआर दर्ज है, लेकिन अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई थी। अब सामने आया है कि रविवार 14 सितंबर को उस्मान गनी और उसकी बीवी दोनों मॉल बंद कर फरार हो गए हैं।

फिलहाल पुलिस दोनों आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए जगह-जगह दबिश दे रही है। इसी बीच ईजी मार्ट का एक नया मामला सामने आया। यहां काम करने वाले दाता त्रयनाथ मदेशिया नाम के कर्मचारी ने अपने पूरे परिवार के साथ इस्लाम धर्म कबूल कर लिया है। अब वह अब्दुल रहमान बन चुका है। इस बात की पुष्टि ग्राम प्रधान राम नारायण गुप्ता और एडवोकेट विजय तिवारी ने की है। यह भी सामने आया

है कि खुर्खुद थाना क्षेत्र के रहने वाले उमेश सिंह की बेटी लक्ष्मी सिंह को उस्मान गनी के साले गौहर अली ने बहलाकर निकाह किया और धर्म बदलवाकर उसका नाम सलमा रख दिया। इस मामले में गौहर अली को जेल भेज दिया गया है। लक्ष्मी के पिता का कहना है कि उनकी बेटी को गुमराह किया गया है और अब वह उसी का साथ दे रही है।

आरोप है कि ये लोग युवतियों को लम्जरी लाइफ का लालच देकर व्यापारियों को सप्टाई करते थे। वहीं अब पीड़ित परिवारों को धमकियां भी दी जा रही हैं। मामले में सदर विधायक शलभ मणि त्रिपाठी ने कहा है कि जिले में छांगुर जैसे सिंडिकेट को पनपने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने जिला प्रशासन को सख्त कार्रवाई के आदेश दिए हैं और एसएस मॉल एवं ईजी मार्ट की जांच की मांग की जा रही है। पिछले कुछ दिनों से लगातार खुलासों के बाद अब एसएस मॉल और ईजी मार्ट पर स्थानीय लोगों द्वारा भी जांच की मांग उठाई जा रही है। विधायक के अनुसार, उस्मान गनी, उसकी बीवी और साले, सभी इस धर्मांतरण गिरोह में शामिल हैं और सुनियोजित तरीके से काम कर रहे हैं।

अपना मोर्चा ने किसानों के उत्पीड़न के खिलाफ खोला मोर्चा

पांच हजार किसानों पर दर्ज हैं गंभीर आपराधिक मुकदमे

न सरकार को फिक्र है, न तथाकथित रहनुमाओं को

लखनऊ, 15 सितंबर (ब्यूरो)।

उत्तर प्रदेश में भूमि अधिग्रहण, विस्थापन के दौरान अलग अलग जिलों में पिछले एक दशक में करीब पांच हजार किसानों पर गंभीर आपराधिक धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। राज्य सरकार ने पिछले वर्षों में दर्जनों लोगों से आपराधिक मुकदमे वापस लिए हैं, लेकिन किसानों पर दर्ज मुकदमे वापस नहीं हो रहे। अपना मोर्चा के राष्ट्रीय संयोजक चौधरी बृजेंद्र सिंह पटेल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग की है कि हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में आयोग का गठन कर बीते 10 वर्षों के अंदर किसानों आंदोलन के दौरान किए गए मुकदमे वापस लिए जाएं।

पटेल ने बताया कि अलग-अलग जिलों में अधिग्रहण के दौरान अधिकारियों ने मनमानी की थी जिसके कारण आंदोलन की स्थितियां पैदा हुईं। शांतिपूर्ण धरना में अराजकता कैसे पैदा होती है, इसका उदाहरण सोनभद्र जिले के दुदुड़ी इलाके में मोर्चा की जनसुनवाई में सामने आया। कनहर

बांध परियोजना में विस्थापन के दौरान आदिवासी वहां धरना दे रहे थे और बालू में धंसकर गिरे एसडीएम ने वहां लाठी चार्ज करवा दिया और हंगामा हो गया। 2014 में 75 नामजद आदिवासी समाज के महिला पुरुष और बच्चों पर तथा 500 अज्ञात लोगों पर गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज कर लिए। अनेक आश्रसन के बाद भी रिपोर्ट वापस नहीं ली गई। पुलिस किसी भी निर्दोष को अज्ञात में दिखाकर थाने ले आती है। कनहर का बांध प्रोजेक्ट 1976 में प्रारंभ हुआ था जो आज तक अपूर्ण है।

इसी तरह प्रयागराज जिले के कचरी में वर्ष 2011 में कचरी पावर प्लांट के लिए भूमि अधिग्रहण के दौरान किसान आंदोलन में 200 नामजद और 600 से अधिक अज्ञात लोगों पर रिपोर्ट दर्ज है। अलग अलग राजनीतिक दल उन किसानों से मिले। सरकारें बदली और मुकदमा वापसी का आश्वासन देने वाले सपा और भाजपा दोनों दलों की सरकार आई और अभी है, पर मुकदमे नहीं हटाए गए।

किसानों के खिलाफ दर्ज किए मुकदमे हत्या के प्रयास, सरकारी



कामकाज में बाधा, आगजनी गैंगस्टर जैसे गंभीर धाराओं में हैं। हमीरपुर, उन्नाव जिले में भी ऐसे 500 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। एक एक किसान पर तीन तीन एफआईआर हैं। सैकड़ों लोग जेल हो आए। पीढ़ियां बदल गई और जिन परियोजनाओं के लिए जमीन ली गई वो अधूरी हैं या फिर शुरू ही नहीं हो पाई। लाखों एकड़ जमीन बड़े बड़े कारोबारी लोगों के कब्जे में चली गई और विस्थापन का दंश झेल रहे किसान मुआवजा के बदले मुकदमों से घिरे हैं। ऐसे ही माहौल के कारण जिलों में राजस्व विभाग के आर्थिक अपराध चरम पर है। उत्तर प्रदेश सरकार ने अलग-अलग समय पर किसानों से जिस

प्रयोजन के लिए जमीन खरीदी है समय बीत जाने के बाद भी उन परियोजनाओं को पूरा नहीं किया गया। उन परियोजनाओं की कीमत 25-25 गुना से अधिक बढ़ चुकी है। उदाहरण के तौर पर सोनभद्र की कनहर बांध योजना में यह बांध परियोजना 28 करोड़ रुपए से शुरू हुई थी जो अब तक 3500 करोड़ रुपए के आसपास पहुंच चुकी है और योजना अधूरी है। इन योजनाओं के हालात और किसानों पर दर्ज मुकदमों का वापस लिए जाने के मामले इस समिति के द्वारा सुनकर सरकार फैसला करे।

उत्तर प्रदेश के किसान बिरादरी में शामिल कुर्मी जाति के श्री केशपाल सिंह पटेल की हत्या कर दी गई।

फतेहपुर के धाता के अजरीली पलावा गांव के रहने वाले केशपाल पटेल पर गांव के एक जातीय उन्माद से लबरेज युवक श्याम पांडे ने फरसा कुल्हाड़ी से हमला किया। उनको काट डाला। उनके साथ राम लखन पटेल और वीर भान पटेल को मरणासन्न कर दिया और मंदिर में जाकर बैठ गया। इस मामले में पुलिस ने रिपोर्ट सही धाराओं में नहीं लिखी। 26 अगस्त की इस घटना के बाद रिश्तेदारों को भी वहां जाने से रोका गया। जब कुर्मी समाज ने अफसरों का घेराव किया, प्रदेश में आंदोलन की स्थितियां बन गई तब 13 सितंबर को सुरक्षा और नौकरी का आश्वासन मिला। इस मामले की उच्च स्तरीय जांच आवश्यक है। पीड़ित परिवार को संविदा के बजाय स्थाई नौकरी दिए जाने का प्रबंध किया जाए।

अपना मोर्चा के राष्ट्रीय संयोजक चौधरी बृजेंद्र सिंह पटेल ने बताया कि फतेहपुर में केशपाल सिंह पटेल की हत्या और उसके बाद पैदा हुए राजनीतिक घटनाक्रम से यह बात साफ हो गई है कि उत्तर प्रदेश में कुर्मी समाज के लोगों का भरोसा अनुप्रिया पटेल और उनके पति आशीष पटेल

पर नहीं रहा है। इसी खिसियाहट में मृतक केशपाल की बेटी अमृता पटेल के साथ कैबिनेट मंत्री आशीष सिंह पटेल का वीडियो देखा जा सकता है जिसमें मंत्री कहते हैं कि मृतका की अंदर अनुप्रिया और उनके पति की हैसियत का अंदाजा समाज को लग गया है कि सिर्फ परिवार और लालच के कारण ये समाज की बात रखने की स्थिति में नहीं रह गए हैं।

प्रेस वार्ता के दौरान मोर्चा के सह संयोजक और अपना दल बलिहारी के अध्यक्ष धर्मराज पटेल ने कहा कि अपना मोर्चा राष्ट्र, समाज एवं राजनीति में परिवारवाद, आर्थिक भ्रष्टाचार, सामाजिक भ्रष्टाचार एवं आपराधिक भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई करेगा। सह संयोजक और राष्ट्रीय जन सरदार पार्टी के अध्यक्ष हेमंत चौधरी ने कहा कि वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में किसी भी राजनीतिक संगठन के पास आर्थिक और आपराधिक भ्रष्टाचार पर

सोचने की क्षमता शून्य हो चुकी है। जिसके कारण देश व प्रदेश में हर स्तर पर गिरावट शुरू हो गई है। और इसी गिरावट को रोकने के लिए देश व प्रदेश एवं समाज के हित के लिए अपना मोर्चा का गठन हम सारे साथियों ने मिलकर किया है तथा इसकी लड़ाई लड़ने के लिए मोर्चा कटिबद्ध है।

मोर्चा के सह संयोजक बौद्ध अरविंद सिंह पटेल ने कहा कि जो भी राजनीतिक संगठन केवल जाति, धर्म, मजहब, के नाम पर समाज एवं राष्ट्र का शोषण कर रहे हैं उनके खिलाफ परिवर्तन की लड़ाई में अपना मोर्चा अग्रणी भूमिका निभाएगा और संपूर्ण परिवर्तन होने तक अनवरत संघर्ष करता रहेगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में डॉ. रविंद्रनाथ द्विवेदी, कुर्मी क्षत्रिय महासभा की महिला विंग की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती शोभा पटेल, अखिल भारतीय स्वर्णकार महासंघ के राष्ट्रीय महामंत्री गोविंद वर्मा, एडवोकेट चंद्रप्रताप पटेल, इंद्रजीत पटेल, सौरभ सिंह, दिशा पटेल, अली आजाद, राजकुमार पटेल, मास्टर साहब और राजकुमार पटेल बनारस समेत अन्य लोग मौजूद थे।

योगी सरकार के मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने कहा

आज यूपी निवेश विकास और कानून व्यवस्था में बना मिसाल

लखनऊ, 15 सितंबर (एजेंसियां)।

समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव के आरोपों पर कैबिनेट मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने जमकर पलटवार किया। स्वतंत्रदेव सिंह ने कहा कि सपा शासनकाल की यादें भ्रष्टाचार, अराजकता और माफियागिरी से जुड़ी हैं, जबकि योगी सरकार ने कारीगरों से लेकर किसानों तक सबको राहत और

सम्मान दिया है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव विश्वकर्मा दिवस पर अवकाश की राजनीति करते हैं, लेकिन योगी सरकार ने पीएम विश्वकर्मा योजना के जरिए करोड़ों कारीगरों को 15,000 रुपए तक का लोन, आधुनिक टूलकिट और बीमा सुविधा दी है। यह असली सम्मान है, जो कागजों पर नहीं, बल्कि जमीन पर दिखाई देता है। स्वतंत्र देव ने रिवर फ्रंट को भ्रष्टाचार का प्रतीक बताते हुए कहा कि हजारों करोड़ रुपये जनता की गाढ़ी कमाई को डुबाने वाले आज सुंदरता की मिसाल देते हैं। योगी सरकार ने प्रदेश की करीब 100 नदियों के



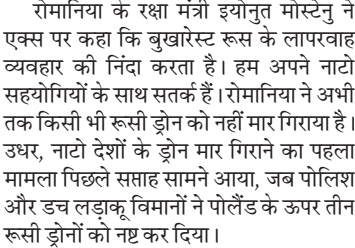
किनारे सवा दो करोड़ से अधिक पौधे लगवाए और नदियों को गाद और

अतिक्रमण से मुक्त कर उन्हें जीवन दिया। स्मार्ट सिटी का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि लखनऊ आज स्वच्छ सर्वेक्षण में टॉप-10 में जगह बनाई है, जबकि सपा सरकार के समय यूपी के शहर कचरे के ढेर थे। उन्होंने कहा कि सपा शासनकाल में गोरखपुर बाढ़ का केंद्र था।

योगी सरकार की समयबद्ध व्यवस्थाओं से अब न सिर्फ गोरखपुर, बल्कि पूरे प्रदेश में बाढ़ पर नियंत्रण पाया गया है। आज बारिश का पानी नालियों से निकल जाता है और शहरों में जनजीवन सामान्य रहता है। अखिलेश यादव के पक्की नौकरी वाले

दावे पर मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि सपा शासनकाल में आउटसोर्स कर्मी बिना वेतन भटकते थे। योगी सरकार ने आउटसोर्स सेवा निगम बनाया है, जिसमें कम से कम वेतन 20 हजार रुपए तय किया गया है और आरक्षण भी लागू है। अब तक 8.5 लाख युवाओं को पारदर्शी भर्ती के जरिए सरकारी नौकरी दी जा चुकी है। स्वतंत्रदेव सिंह ने कहा कि अखिलेश को ओडीओपी की सफलता पच नहीं रही। एक जिला एक उत्पाद योजना से 96 लाख एमएसएमई यूनिट खड़ी हुई और करोड़ों युवाओं को रोजगार मिला। सपा शासनकाल

में जहां उद्योग यूपी से पलायन करते थे, आज यूपी निवेशकों का हब बन गया है। उन्होंने कहा कि सपा के समय मुख्यमंत्री खुद माफियाओं से समझौते करते थे, जबकि योगी सरकार ने प्रदेश से माफियाओं को जड़ से उखाड़ फेंका है। आज बेटी, व्यापारी और किसान सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव की भ्रामक बातें उनकी असफलताओं को छिपाने का हथकंडा भर हैं। सपा सरकार वादों पर चलती थी, जबकि योगी सरकार तथ्यों पर काम करती है। 2027 में जनता इसका फैसला करेगी।

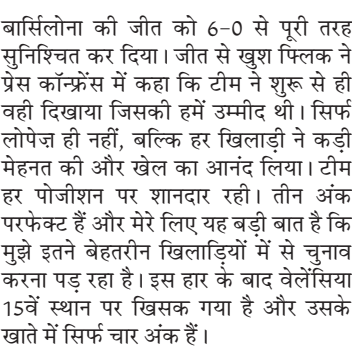


- बेस्ट डायरेक्टर (कॉमिडी सीरीज) - सैम रोजेन (द स्टूडियो)
- बेस्ट लिमिटेड या एंथोलॉजी सीरीज - एडोलसेंस
- बेस्ट एक्टर (लिमिटेड/एंथोलॉजी सीरीज) - स्टीफन ग्रहम (एडोलसेंस)
- बेस्ट एक्ट्रेस (लिमिटेड/एंथोलॉजी सीरीज) - क्रिस्टिन मिलिओटी (द पेंग्विन)
- बेस्ट सर्वांगी एक्टर (लिमिटेड/एंथोलॉजी सीरीज या फिल्म) - ओवेन कूपर
- बेस्ट सर्वांगी एक्ट्रेस (लिमिटेड/एंथोलॉजी सीरीज या फिल्म) - एरिन डोहर्टी (एडोलसेंस)
- बेस्ट डायरेक्टर (लिमिटेड/एंथोलॉजी सीरीज या फिल्म) - फिलिप बैरेंटीन (एडोलसेंस)
- बेस्ट टॉक सीरीज - द लेट शो विद स्टीफन कोलमंड
- आउटस्टैंडिंग रियलिटी कम्पटीशन - द ट्रेसर्स

द मास्को टाइम्स और तास की रिपोर्टों में इस घटना का जिक्र करते हुए बताया गया है कि गांधी परधन्य पोलैंड में रूसी ड्रोन गिराए जाने के कुछ देरबाद यूक्रेन ने दुनिया के दूसरे सबसे बड़े तेल निर्यातक रूस में तेल रिफाइनरी और पाइप लाइनों पर हमले किए। हालांकि रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि वायु रक्षा प्रणालियों ने कम से कम 361 ड्रोन मार गिराए। खबरों के अनुसार, पश्चिमी लेनिनग्राद क्षेत्र के अलग-अलग हिस्सों में रिवार व हुड्के दो टूटें पट्टरी से उतर गईं। हादसे में एक ट्रेन चालक की मौत हो गई और रेल यातायात बाधित हो गया। दोनों घटनाएं शनिवार देररात पश्चिमी ओरियोल में रेल पट्टी के एक हिस्से पर विस्फोटक के कुछ घंटों बाद हुईं। इस विस्फोट में तीन रूसी राइफल

इ पमान पर गिरफ्तारियों और दमन का खिलौना खोल सकता है। कानून में सेना को विशेष अधिकार दिए जाने से पाकिस्तान पर राजनीति में पहले से ही मजबूत सैन्य प्रभाव और गहरा होने की आशा का जवाब दे रही है। विश्लेषकों का कहना है कि कानून की आतंकवाद विरोधी कानूनों का नेतृत्वमा वास्तविक आतंकी खतरों से निपटारे, बलुक राष्ट्रवादियों, पश्तुन विद्रोहीयकर्ताओं और अन्य हाथियों पर खड़े मुलायों के खिलाफ होता रहा है।

- बेस्ट डायरेक्टर (कॉमिडी सीरीज) - सैम रोजेन (द स्टूडियो)
- बेस्ट लिमिटेड या एंथोलॉजी सीरीज - एडोलसेंस
- बेस्ट एक्टर (लिमिटेड/एंथोलॉजी सीरीज) - स्टीफन ग्रहम (एडोलसेंस)
- बेस्ट एक्ट्रेस (लिमिटेड/एंथोलॉजी सीरीज) - क्रिस्टिन मिलिओटी (द पेंग्विन)
- बेस्ट सर्वांगी एक्टर (लिमिटेड/एंथोलॉजी सीरीज या फिल्म) - ओवेन कूपर
- बेस्ट सर्वांगी एक्ट्रेस (लिमिटेड/एंथोलॉजी सीरीज या फिल्म) - एरिन डोहर्टी (एडोलसेंस)
- बेस्ट डायरेक्टर (लिमिटेड/एंथोलॉजी सीरीज या फिल्म) - फिलिप बैरेंटीन (एडोलसेंस)
- बेस्ट टॉक सीरीज - द लेट शो विद स्टीफन कोलमंड
- आउटस्टैंडिंग रियलिटी कम्पटीशन - द ट्रेसर्स



50 ओवर का खेल लंबा होता है और सभी समय लेकर पारी बनाने की जरूरत होती है। लेकिन हमें आक्रामक क्रिकेट भी खेलना है, इसलिए इस बीच संतुलन बनाना होगा।

उन्होंने स्वीकार किया कि वानखेड़े (जनवरी 2024) में बने शतक के बाद भारत यह उनका दूसरा शतक हो सकता था, लेकिन स्विडे राणा के खिलाफ रिवर्स स्वीप खेलते हुए वह चूक गई।

मैंने कहा कि बाद लिफ्टफुल ने कहा, मैंने कहा कि आगे बढ़ाने की कोशिश की जाए। रायद रिवर्स शाॅट पर ज्यादा ध्यान दे बैठे।

इस दौरान उन्होंने कामरा एलिस पेरी और स्विट्ज़र मूनी के साथ बल्लेबाजी के अनुभव को भी साझा किया।

उन्होंने कहा, उनके साथ खेलना बेहद आसान हो जाता है, लेकिन कभी-कभी मेरा दिमाग चलता है, लेकिन वे शांत और अनुभवी

आज सूर्य करेंगे कन्या राशि में गोचर

ज्योतिष शास्त्र में सूर्य का विशेष स्थान है। सूर्य देव को सभी ग्रहों का राजा कहा जाता है। वे हर महीने राशि परिवर्तन करते हैं। इस गोचर का सभी राशियों पर प्रभाव पड़ता है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि सूर्य देव 16 सितंबर को कन्या राशि में गोचर करेंगे। सूर्य देव 16 सितंबर को मध्य रात्रि 1:46 मिनट पर सिंह राशि से निकलकर कन्या राशि में गोचर करेंगे। इस राशि में सूर्य देव 17 अक्टूबर तक रहेंगे। खास बात ये है कि ये सूर्य देव के मित्र ग्रह की राशि है। व्यक्ति की कुंडली में सूर्य अच्छे स्वास्थ्य, प्रसिद्धि, नाम, सरकारी नौकरी, सफलता, उच्च पद के कारक होते हैं। ये हर राशि में लगभग एक महीने तक विराजमान रहते हैं। ज्योतिषशास्त्र में ग्रहों के राशि परिवर्तन का विशेष महत्व होता है। जब भी कोई ग्रह किसी एक राशि में मौजूद होता है फिर किसी निश्चित समय में दूसरी राशि में परिवर्तन करता है तो इसका प्रभाव सभी जातकों पर शुभ और अशुभ दोनों तरह का होता है। ज्योतिष शास्त्र के नजरिए से सूर्य हर एक महीने में राशि परिवर्तन करते हैं। कुंडली में सूर्य के शुभ भाव में होने पर व्यक्ति को नौकरी, मान-सम्मान और धन लाभ होता है। ज्योतिष में सूर्य को तेज, मान-सम्मान और यश, उच्च पद-प्रतिष्ठा, आदि का कारक ग्रह माना जाता है। ज्योतिष के अनुसार सूर्य का राशि परिवर्तन एक महत्वपूर्ण घटना मानी जाती है। जिसका प्रभाव सभी राशि के जातकों पर पड़ता है। सिंह राशि के स्वामी सूर्य तुला राशि में नीच राशिगत तथा मेष राशि में उच्च राशिगत संज्ञक माने गए हैं। उच्च भाव में ग्रह अधिक मजबूत और बलशाली होते हैं। जबकि नीच राशि में ये कमजोर हो जाते हैं।

सूर्य का शुभ-अशुभ प्रभाव

सूर्य के शुभ प्रभाव से जाँब और बिजनेस में तरक्की के योग बनते हैं और लीडरशीप करने का मौका भी मिलता है। ज्योतिष में सूर्य को आत्माकारक ग्रह कहा गया है। इसके प्रभाव से आत्मविश्वास बढ़ता है। पिता, अधिकारी और शासकिय मामलों में सफलता भी सूर्य के शुभ प्रभाव से मिलती है। वहीं सूर्य का अशुभ प्रभाव असफलता देता है। जिसके कारण कामकाज में रुकावटें और परेशानियाँ बढ़ती हैं। धन हानि और स्थान परिवर्तन भी सूर्य के कारण होता है। सूर्य के अशुभ प्रभाव से स्वास्थ्य संबंधी परेशानियाँ भी होती है।

उपाय- भगवान श्री विष्णु की उपासना करें। बंदर, पहाड़ी गाय या कपिला गाय को भोजन कराएं। रोज उगते सूर्य को



अर्घ्य देना शुरू करें। रविवार के दिन उपवास रखें। रोज गुड़ या मिश्री खाकर पानी पीकर ही घर से निकलें। जन्मदाता पिता का सम्मान करें, प्रतिदिन उनके चरण छुकर आशीर्वाद लें। भगवान सूर्य की स्तुति आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करें।

चार राशियों के लिए शुभ

वृष, कन्या, वृश्चिक और मकर राशि वाले लोगों के लिए समय अच्छा रहेगा। इन राशि वाले लोगों को जाँब और बिजनेस में तरक्की मिल सकती है। प्रॉपर्टी और आर्थिक मामलों में फायदा मिल सकता है। सेहत के लिए समय अच्छा रहेगा। किस्मत का साथ मिल सकता है। पारिवारिक मामलों के लिए भी समय शुभ कहा जा सकता है। इन 4 राशि वालों पर मौजूदा अशुभ ग्रह स्थिति का प्रभाव नहीं पड़ेगा।

चार राशियों के लिए मिला-जुला समय

मेष, मिथुन, सिंह और धनु राशि वाले लोगों के लिए मिला-जुला समय रहेगा। इन 6 राशि वाले लोगों को धन लाभ तो होगा, लेकिन खर्चा भी हो जाएगा। कुछ मामलों में सितारों का साथ मिलेगा वहीं कामकाज में रुकावटें, तनाव और विवाद होने की भी आशंका है। सेहत संबंधी परेशानी भी हो सकती है।

चार राशियों को रहना होगा संभलकर

कर्क, तुला, कुंभ और मीन राशि वाले लोगों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। इन 4 राशि वाले लोगों को संभलकर रहना होगा। कामकाज में रुकावटें आ सकती हैं। विवाद होने की आशंका है। धन हानि और सेहत संबंधी परेशानियाँ भी हो सकती हैं। नए काम की शुरुआत करने से बचना होगा। कर्जा न लें। कामकाज में लापरवाही और जल्दबाजी करने से भी बचना चाहिए।

मातामह श्राद्ध 2025 जानें क्यों खास है यह श्राद्ध, क्या हैं नियम और महत्व?

नवरात्रि स्थापना के साथ अधिकांश घरों में मातामह श्राद्ध किया जायेगा। सर्व पितृ और मातामह नाना, मातामही नानी का श्राद्ध आश्विन शुक्ल प्रतिप्रदा नवरात्रि के दिन करते हैं। मातामह श्राद्ध 22 सितंबर को होगा। संतान ना होने की स्थिति में मातामह श्राद्ध के दिन नाती तर्पण कर सकता है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि, परिजनों की स्मृति में तर्पण और श्राद्ध कर्म की तिथि अनुसार करने की परंपरा है।

संतान ना होने की स्थिति में मातामह श्राद्ध के दिन नाती तर्पण कर सकता है। अक्सर मातामह श्राद्ध पितृ पक्ष की समाप्ति के अगले दिन होता है। इस बार 22 सितंबर को होगा। परंपरा है, कि लोग अपनी संतान नहीं होने पर दत्तक गोद लेते थे ताकि मृत्यु के बाद वो पिंडदान कर सके। मान्यतानुसार दत्तक पुत्र दो पीढ़ी तक श्राद्ध कर सकता है।

ज्योतिषाचार्य से जानिए मातामह श्राद्ध का महत्व

शर्त यह है कि मातामह श्राद्ध उसी औरत के पिता का निकाला जाता है जिसका पति व पुत्र जिन्दा हो अगर ऐसा नहीं है और दोनों में से किसी एक का निधन हो चुका है तो मातामह श्राद्ध का तर्पण नहीं किया जाता।

इस प्रकार यह माना जाता है कि मातामह का श्राद्ध सुख व शांति व सम्पन्नता की निशानी है। यहां यह बात गौर करने लायक है कि एक व्यक्ति अपने जीवनकाल में अपनी बेटी के घर का पानी भी नहीं पिता और इसे बर्जित माना गया है, लेकिन उसके मरने के बाद उसका तर्पण उसका दोहित्र (बेटी) करती है।

मातामह श्राद्ध में दूसरी पीढ़ी करती है तर्पण-पिंडदान

दिवंगत परिजन के घर में लड़का ना होए तो लड़की की संतान यानी नाती भी पिंडदान कर सकता है। मान्यतानुसार लड़की के घर का



खाना नहीं खा सकते इसलिए मातामह श्राद्ध के दिन नाती तर्पण कर सकता है।

मातृ ऋण से मिलती है मुक्ति

इस दिन माता पक्ष यानी मां, नानी का श्राद्ध करने से मातृ ऋण से मुक्ति मिलती है और मां अपने कुल को वृद्धि, सुख-सौभाग्य व समृद्धि का आशीर्वाद देकर चली जाती है। मातामह श्राद्ध बहुत ही महत्वपूर्ण माना गया है। जो लोग माता पक्ष का श्राद्ध नहीं करते, उनको मातृ दोष का भागी बनना पड़ता है। मातामह श्राद्ध का दिन परिवार की मातृ पितरों से जुड़ा हुआ है, उनकी आत्मा की तृप्ति के लिए इस दिन पिंडदान, तर्पण विधि और श्राद्ध कर्म किए जाते हैं।

क्या होता है मातामह श्राद्ध

मातामह श्राद्ध एक ऐसा श्राद्ध है जो एक पुत्री द्वारा अपने पिता व एक नाती द्वारा अपने नाना को तर्पण के रूप में किया जाता है। इस श्राद्ध को सुख शांति का प्रतीक माना जाता है। यह श्राद्ध करने के लिए कुछ आवश्यक शर्तें हैं अगर वो पूरी न हो तो यह श्राद्ध नहीं किया जाता है। शर्त यह है कि मातामह श्राद्ध उसी महिला के पिता के द्वारा किया जाता है जिसका पति व पुत्र जिंदा हो। अगर ऐसा नहीं है और दोनों में से किसी एक का निधन हो चुका है तो मातामह श्राद्ध का तर्पण नहीं किया जाता।

महिलाएं श्राद्ध करें या नहीं?

महिलाएं श्राद्ध करें या नहीं? यह प्रश्न भ्रम

सूर्य को जल चढ़ाने का सही तरीका: एक प्रतिशत लोग ही जानते हैं किस्मत बदलने का सीक्रेट कोड!

करोड़ों हिंदू प्रतिदिन सूर्य देवता को जल अर्पित करते हैं, किंतु 1 प्रतिशत लोगों को ही सूर्य को जल चढ़ाने का वो नियम पता है, जिससे बुरे दिन खत्म होते हैं और जीवन में अच्छे दिन और सकारात्मक बदलाव देखने को मिलते हैं।

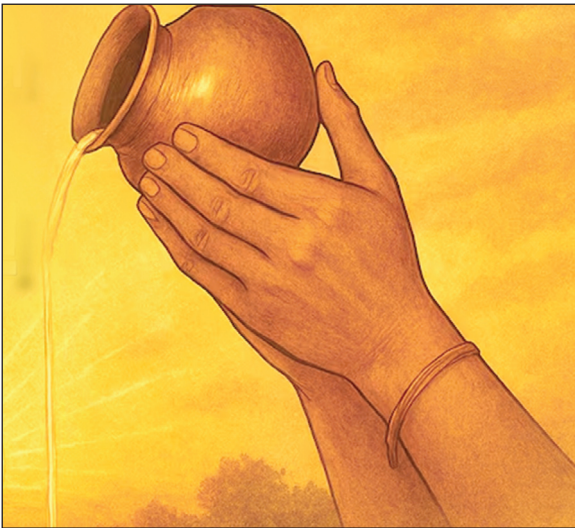
सूर्य को जल चढ़ाने का सही नियम जानने के बाद ये आपकी किस्मत बदलने का सीक्रेट कोड भी है, जिसके बारे में जानकारी आपके भी होश उड़ जाएंगे। आइए जानते हैं सूर्य को जल अर्पित करने के वो नियम जिसके बारे में कम लोगों को ही पता है।

सूर्य को जल अर्पित करने के नियम-

सूर्य को जल अर्पित करने के लिए हमेशा तांबे के लोटे का ही इस्तेमाल करना चाहिए, क्योंकि तांबे का धातु सूर्य की ऊर्जा आप तक आसानी से पहुंचती है।

सूर्य को जल चढ़ाने का समय फिक्स है, इसलिए प्रतिदिन 9 बजे से पहले ही उन्हें जल अर्पण करें। ऐसा इसलिए क्योंकि तब सूर्य की किरणें प्योर और गुणकारी होती हैं।

तांबे के कलश में जल के अलावा अक्षत, रोली और लाल फूल जरूर डालें। ये चीजें सूर्य की तरंगों को आप



तक आसानी से पहुंचाती है।

सूर्य को जल देते वक्त आपका मुख पूर्व दिशा की तरफ ही होना चाहिए। इस दिशा में जल चढ़ाते समय ऊं सूर्याय नमः मंत्र का जाप करना चाहिए।

सूर्य को जल चढ़ाते समय जल जहां पर गिरता है, वह

से जल को स्पर्श करके अपने माथे पर जरूर लगाएं। ऐसा करने से आपके अंदर की नेगेटिविटी दूर होगी।

इन उपायों को करने से आपकी जिंदगी में सकारात्मक बदलाव होने के साथ जीवन में हमेशा सफलता प्राप्त होती है।

सूर्य को जल अर्पण करने से तीन चीजें जागृत होती हैं

दरअसल जब हम सूर्य को जल चढ़ाते हैं, तो उस वक्त हमारे शरीर में तीन चीजें जागृत होती हैं। पहली सप्तधातु, दूसरी पिंगला नाड़ी और तीसरी तप्त ताम्र प्रभाव।

सप्तधातु (शरीर के 7 धातुएं)- इसका मतलब शरीर को रोगों से मुक्ति मिलती है।

पिंगला नाड़ी- सूर्य को जल देने से आपका आत्मविश्वास और एक्शन लेने की ऊर्जा में वृद्धि होती है।

तप्त ताम्र प्रभाव- ये नेगेटिविटी को अपने अंदर समाहित करके सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है। और यह सब होता है एक लोटा सूर्य को जल देने से, ये कोई रिवाज नहीं, बल्कि आपकी दिनचर्या है।

तीन तरह के पितृ और 12 तरह के होते हैं श्राद्ध 10वें श्राद्ध से नहीं होती अन्न-धन की कमी

पितृ पक्ष की शुरुआत 7 सितंबर से हो चुकी है और 21 सितंबर 2025 को यह समाप्त होता है। पितृ पक्ष के 15 दिनों में लोग अपने मृत पूर्वजों का श्राद्ध और तर्पण करते हैं। लेकिन पुराणों में मृत पूर्वजों के भी तीन प्रकार बताए गए हैं। इसके साथ ही श्राद्ध के भी 12 प्रकारों का उल्लेख मिलता है। आप इनमें से किस पितृ का श्राद्ध करते हैं, कौन सा श्राद्ध करते हैं और इसके क्या लाभ हैं, यह जान लीजिए।

पितरों के प्रकार

नित्य पितृ- ऐसे पितृ जोकि हमेशा मौजूद रहते हैं। विष्णु पुराण में इन्हें ही पूर्वज कहा गया है। ये अपने वंश से आत्मा की शांति की अपेक्षा रखते हैं। इनका श्राद्ध या तर्पण नियमित रूप से किया जाता है।

नैमित्तिक पितृ- ये ऐसे पितृ होते हैं, जिन्हें विशेष अवसरों में स्मरण किया जाता है। ऐसे पितरों को हरिभुज यानी अग्नि में अर्पित भोजन ग्रहण करने वाला पितृ माना जाता है।

सामयिक पितृ- ये ऐसे पितृ होते हैं जोकि विशेष साप्ताहिक अवसरों से जुड़े होते हैं। इनका श्राद्ध समाह के विशेष दिनों में किया जाता है। पुराणों में इन पितरों को शिव गणों



की तरह माना जाता है।

श्राद्ध के 12 प्रकार

1. नित्य श्राद्ध, 2. नैमित्तिक श्राद्ध, 3. काम्य श्राद्ध, 4. वृद्ध श्राद्ध, 5. सर्पिंडित श्राद्ध, 6. पार्वण श्राद्ध, 7. गोष्ठ श्राद्ध, 8. शुद्धि श्राद्ध, 9. कर्मण श्राद्ध, 10. दैविक श्राद्ध, 11. यात्रार्थ श्राद्ध और 12. पुष्टि श्राद्ध।

दसवां श्राद्ध दिलाता है अन्न-धन

दसवें श्राद्ध को दैविक श्राद्ध कहा जाता है। इस श्राद्ध को करने से देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त होता है, जो पितरों के प्रसाद को उन तक पहुंचाते हैं। इस तरह से दैविक श्राद्ध से देवता और पितृ दोनों को प्रसन्न कर आशीर्वाद पाया जा सकता है। मान्यता है कि इस श्राद्ध से सौभाग्य, धन, अन्न, संतान आदि की प्राप्ति होती है। इसलिए कहा जाता है कि दैविक श्राद्ध करने से अन्न-धन की कमी नहीं होती है।

ध्यान की प्रशांतमूर्ति - श्रीविजयशांति सूरेश्वर जी म.सा

भारत में ही नहीं, लेकिन इसके पार भी गुरुदेव की महिमा व्याप्त हैं। मंत्रदाता, दीक्षादाता, शिक्षादाता, मार्गदाता और धर्मदाता, आदि अनेक रूपों में गुरु के व्यक्तित्व की अभिव्यक्ति की जा सकती है। ध्यान यह रखना है कि, मात्र वस्त्र परिवर्तन से बने वह औपचारिक गुरु हैं। पर जिनका चारित्र पवित्र हो, वह अलौकिक गुरु कहलाए जाते श्री विजय शांतिसूरी महाराज एक अदभूत व अलौकिक गुरु है। गुरुदेव का जन्म माघ शुक्ला 5 विसं. 1946 दि 25-1-1890 को बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है।

श्री गुरुदेवने ज्ञान दर्शन चारित्र व अपनी अप्रतिम साधनाओं के बल पर हजारों लाखों परिवारों के दिल में धर्म की ज्योत जलाई है। गुरुदेव ने कई मंदिरों की प्रतिष्ठा एवं जिणोद्धार करवाया था।

गौ वध हिंसा बंद करवाई थी। समाज सुधार में एक नई रोशनी चमकाई थी।

गुरु का वाक्य मंत्र के समान है-

गुरु की दृष्टि कृपा स्वरूप है।

गुरु का आशीष मोक्ष का वरदान है।।

जैन शास्त्रों में ही नहीं बल्कि जेनेतर शास्त्रों में भी गुरु को विशिष्ट सम्मान दिया गया है। कवियों ने तो यहाँ तक कह दिया कि भगवान से पहले गुरु को वंदन हो ,क्योंकि गुरु भगवान से परिचित करवाने वाले सिर्फ गुरु ही होते हैं।

कबीर ते नर अन्ध है, कहत गुरु को और ।

हरि रूटे गुरु को ठोर है। गुरु रूटे नहीं ठोर ।।

जैन जगत् के सर्वोत्तम मंत्र नवकार में भी गुरु को एक -



(82वीं पुण्यतिथि पर विशेष)

महान् स्थान प्राप्त है। पाँच पदों में से चार पदों पर गुरु का निवास है। गुरुदेव को सन 1933 मे जगतगुरु समार विश्वीपकारी नेपाल राजगुरु व सन 1935 में हिज होलीनस आदि पदवियों से सम्मानित किया गया था।

गुरुदेव का अंतिम चातुर्मास विक्रम संवत् 2000 अचलगढ़ में हुआ था । गुरुदेव ने अपने देवलोक गमन के पूर्व ही समाचार पत्रों में घोषणा की अब कोई मेरे दर्शनार्थ न आए मैं ध्यान में बैठने वाला हूँ। गुरुदेव ने स्वंग को महाप्रायाण महासमाधि के लिये तैयार किया।

गुरु शिखर जईशु, हवे धारुं आत्म ध्यान ।
कदी न मुखथी बोलशु ,प्रभु-प्रभु नुं तान ।।

गुरुदेव अपने अंत समय में जनसमुदाय से अधिक संपर्क त्याग आत्म -ध्यान में इतने तल्लीन हो गए थे कि 2-3 दिन कमरे का दरवाजा भी नहीं खोला करते थे।

श्री विजय शांतिभूरीधरजी म.सा का देवलोक गमन वि.स. 2000 आसोज वद 10,दिनांक 23-9-1943 की मध्य रात्रि में हुआ। गुरुदेव की आयु 54वर्ष की थी। कई भक्तों को गुरुदेव के अंतिम समय समीप रहने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। गुरुदेव के अंतिम संस्कार में कई राज्यों के राजा विदेशी भक्त और अनेक साधु साध्वीजी भगवत उपस्थित थे। लगभग 30000 जनसमुदाय के बीच अन्तिम संस्कार हुआ श्र गुरु चिता की ज्वाला के ऊपर गुरुदेव अभय मुद्रा में भक्तों को दर्शन दिया।

आत्म समाधि अविचलगढ़ मां आदरी ।
काया संगे कष्ट तणो नहीं पार जो ।।

शांत सुधानु नीर मुखे बहुत रहे ।
क्षमा सूत्र की पल पल जपतां मा जो ।।

पर प्रकाशक अंधकारमय संसार में स्व जिनशासन देव गुरु धर्म की प्राप्ति के बिना जीव निश्चय ही भटकता रहता है। संसार में जो भी महान हुआ है वह गुरु की कृपा से ही हुआ है।
चहां । जैसे तिमिर को हटाते हैं। धरती रोशन शीतल करता है ।
सकट में तू एक सहारा । गुरुदेव ताराणहार प्राणआधार ।
श्रीविजय शान्तिगुरुदेव जी के उपकारों आमूलचूल वर्णन करना असंभव है।

-ऊषा जैन बरलोटा
हैराबाद

मिस वर्ल्ड से हेल्थ वर्ल्ड तक: मानुषी छिल्लर ने मुंबई में लॉन्च किया सोमा वेलनेस

मिस वर्ल्ड और अभिनेत्री मानुषी छिल्लर ने हेल्थ-केयर के क्षेत्र में 'एंटरप्रेन्योरशिप की घोषणा करते हुए, मुंबई में 'सोमा वेलनेस' नाम की एक उन्नत रीजनरेटिव मेडिसिन और वेलनेस सेंटर की स्थापना की है। इस पहल को उन्होंने अपने पिता और प्रख्यात चिकित्सक डॉ. मित्रा बसु छिल्लर के साथ मिलकर शुरू किया है, जो इस क्लिनिक के मेडिकल डायरेक्टर की भूमिका निभा रहे हैं। चिकित्सा की पढ़ाई में मजबूत अकैडमी बैकग्राउंड और स्वास्थ्य सेवा के प्रति गहरी रुचि रखने वाली मानुषी, डॉक्टर बनने की राह पर थीं जब उन्होंने मिस वर्ल्ड का खिताब जीता। अब उनका का लक्ष्य ग्लोबल मेडिकल विशेषज्ञता को भारतीय स्वास्थ्य सेवा आवश्यकताओं के साथ जोड़ना है। 'सोमा वेलनेस' भारत में वैज्ञानिक प्रमाणित रीजनरेटिव मेडिसिन उपचार पेश करता है जो पहले केवल संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोप और मिडिल ईस्ट के प्रमुख केंद्रों में ही उपलब्ध थे। 'सोमा वेलनेस' का उद्देश्य प्रत्येक व्यक्ति के लिए व्यक्तिगत, अंतरराष्ट्रीय स्तर की उपचार प्रणाली प्रदान करना है, इसका फोकस केवल लक्षणों के प्रबंधन तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे कहीं आगे जाकर लंबे समय तक स्वास्थ्य लाभ देने पर आधारित है, जिसमें शामिल हैं: पुरानी बीमारियों का निवारण, हार्मोनल संतुलन को बेहतर बनाना, वजन और उम्र से संबंधित समस्याओं का प्रबंधन, जीवन शक्ति और लंबे समय तक स्वास्थ्य की बहाली।

प्रत्येक क्लाइंट की पूरी स्वास्थ्य जांच की जाती है, जिसमें ब्लड प्रोफाइल, एलर्जी और इनटोलरेंस परीक्षण, जेनेटिक, लाइफस्टाइल और एनवायरनमेंट कारकों का विश्लेषण शामिल होता है। इसके आधार पर क्लिनिक एक कस्टमाइज्ड प्लान तैयार करता है जिसमें न्यूट्रिशन, लाइफ-स्टाइल और लक्षित उपचारों (इलाज) को

शामिल किया जाता है, जिससे एक ही बीमारी वाले दो व्यक्तियों को एक जैसे इलाज की आवश्यकता नहीं पड़ती। सोमा वेलनेस पर मानुषी छिल्लर ने अपनी भागीदारी के बारे में बात करते हुए कहा: सोमा मेरे लिए एक जुनून से जुड़ा प्रोजेक्ट रहा है। मैं अपने पिता को दशकों के अभ्यास से मेडिकल साइंस के ज़रिए लोगों का जीवन बेहतर बनाते हुए देखा है, और वहीं से मैंने सीखा है कि स्वास्थ्य ही सबसे बड़ी पूंजी है। भारत को ऐसी विश्वस्तरीय, वैज्ञानिक प्रमाणित वेलनेस केयर की ज़रूरत है जो केवल शरीर नहीं, मन और इतिहास - को ध्यान में रखे।

सोमा में, हम प्रत्येक व्यक्ति के लिए वैज्ञानिक तरीकों से तैयार किए गए इलाज के साथ इस सोच को साकार कर रहे हैं। एक मेडिकल स्टूडेंट के तौर पर, मैं सोमा की यात्रा में लगातार योगदान देने की योजना बना रही हूं। निवारक और रीजनरेटिव मेडिसिन में तीन दशकों से अधिक के अनुसंधान और प्रैक्टिस पर आधारित 'सोमा वेलनेस' ने बहुत कम समय में खुद को भारत में एक अग्रणी स्वास्थ्य केंद्र के रूप में स्थापित कर लिया है।

अब तक ऐसे कई मरीज यहाँ आ चुके हैं जो पहले इन उपचारों के लिए विदेश जाते थे। वहीं, कई अंतरराष्ट्रीय क्लाइंट भी अब 'सोमा' की ओर आकर्षित हो रहे हैं, जहां उन्हें कम लागत में उच्च गुणवत्ता वाला इलाज मिल रहा है। इनोवेशन, सम्पूर्ण देखभाल और उन्नत मेडिकल साइंस को एक साथ मिलाकर 'सोमा वेलनेस' भारतीय स्वास्थ्य क्षेत्र में एक परिवर्तनकारी कदम का प्रतिनिधित्व करता है, और यह मानुषी छिल्लर के ग्लोबल ब्यूटी आइकन से एक समर्पित हेल्थकेयर एंटरप्रेन्योर बनने की सफल यात्रा को भी दर्शाता है।



‘बिग बॉस-19’ से बाहर होने पर नगमा मिराजकर ने कहा - दिल अभी भरा नहीं

कंटेस्टेंट नगमा मिराजकर 'बिग बॉस-19' के घर से बाहर हो गई हैं। इससे बाहर होने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट लिखा है। पोस्ट में नगमा ने बताया कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वह इतनी जल्दी बाहर हो जाएंगी। नगमा मिराजकर ने इंस्टाग्राम पर वीडियो का वार के एपिसोड का एक वीडियो साझा करते हुए लिखा, के दिल अभी भरा नहीं। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं इतनी जल्दी बाहर हो जाऊंगी। अगर मैंने अपने फैसले को निराश किया है तो मैं उनसे माफी चाहती हूं। बिग बॉस हाउस में मेरा स्वास्थ्य थोड़ा सही नहीं था, लेकिन फिर भी मैंने अपने बारे में बहुत कुछ सीखा। ये ऐसे सबक हैं जो मैं हमेशा अपने साथ रखूंगी। इस सफर का हिस्सा बनना मेरे जीवन के सबसे बड़े अवसरों में से एक था और इसके लिए मैं बेहद आभारी हूं।

कंटेस्टेंट ने कहा कि शो में बनी हर याद उनके दिल के करीब रहेगी। उन्होंने लिखा, बिग बॉस के घर की हर हंसी, हर आंसू, हर खामोशी और अंदर की हर याद हमेशा मेरे दिल के करीब रहेगी। मुझे उस घर में रहने का एहसास बहुत याद आएगा। हालांकि मेरा सफर जल्दी खत्म हो गया, लेकिन मेरा दिल अभी भी उस घर के अंदर उन लोगों के साथ है जिन्हें मैं प्यार और सम्मान करती हूं।

नगमा ने कहा कि वह अपने लवर आवेज दरबार को बाहर से सपोर्ट करती रहेंगी। फिलहाल वे शो में एक अच्छे कंटेस्टेंट के रूप में नजर आ रहे हैं। नगमा ने उनके बारे में लिखा, मैं अपने प्यार, आवेज का समर्थन करूंगी और मैं उसे वहां चमकते हुए देखने के लिए बताब हूं। घर में मौजूद मेरे कुछ दोस्तों का धन्यवाद जिन्होंने इस सफर को मेरे लिए खास बनाया! इस पोस्ट के अंत में उन्होंने लिखा कि यह अंत नहीं है, यह उनके जीवन का एक और अध्याय है जिसे वे हमेशा संजोकर रखेंगी।

सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में जान्हवी कपूर के कॉमिक अंदाज़ से चौंक जाएंगे दर्शक

अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'परम सुंदरी' में अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीत चुकीं जान्हवी कपूर अब अपनी अगली फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' की रिलीज़ के लिए तैयार हैं। फिल्म का ट्रेलर लॉन्च हुआ, जहाँ निर्देशक शशांक खेतान ने जान्हवी कपूर के साथ फिर से काम करने का अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि जान्हवी ने डेब्यू फिल्म 'धड़क' के बाद से काफी अनुभव हासिल किया है और अब वह कॉमेडी के ऐसे जॉनर में कदम रख रही हैं, जिसे उन्होंने पहले कभी नहीं आजमाया

है। शशांक ने जान्हवी के छिपे हुए कॉमिक टाइमिंग की तारीफ करते हुए कहा कि उन्हें यकीन है दर्शक उनकी इस नई छवि से खुश होकर चौंक जाएंगे। उन्होंने कहा, मैंने जान्हवी कपूर के साथ पहली बार उनकी डेब्यू फिल्म 'धड़क' में काम किया था, और इतने वर्षों बाद हमें एक बार फिर 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में साथ काम करने का मौका मिला। हालांकि इतने वर्षों में उनके अभिनय में काफी गहराई आ गई है। यह पहला मौका है, जहां जान्हवी ने कॉमेडी जॉनर ट्राय किया है और मुझे यकीन है कि जब लोग ये फिल्म देखेंगे तो उनकी खूबसूरती के साथ उनके कॉमिक टाइमिंग की तारीफ किए बिना नहीं रह पाएंगे। विशेष रूप से मैं उनसे काफी प्रभावित हुआ हूँ। ऐसा माना जाता है कि कॉमेडी फिल्मों या फिर इस तरह के जॉनर में रिहर्सल की ज़रूरत नहीं होती, लेकिन सच तो यह है कि कॉमेडी फिल्में बहुत अधिक रिहर्सल मांगती हैं, जिससे परफेक्ट टाइमिंग लाई जा सके। सो हमने काफी रिहर्सल की और मुझे खुशी है कि हमारी कोशिश रंग लाई है।

ट्रेलर के आज रिलीज़ होने के साथ ही जान्हवी कपूर का 'तुलसी कुमारी' के रूप में नया रूप ताज़गी से भरपूर लग रहा है। उनकी वरुण धवन के साथ चमकती हुई केमिस्ट्री तुरंत ध्यान खींचती है, जबकि ट्रेलर में एक ऐसा किरदार दिखाया गया है जो बड़े पर्दे पर जान्हवी का नया पहलू सामने लाने का वादा करता है। जान्हवी कपूर के वर्क फ्रंट की बात करें, तो उन्हें जल्द ही उनके दर्शक 'होमबाउंड' में देखेंगे, जिसे इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में खूब सराहा जा रहा है। इसके अलावा उनकी अगली फिल्म 'पेड्डू' भी है, जिसमें वह राम चरण के साथ नजर आनेवाली हैं।



✽ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ✽
पं.चिदम्बर मिश्र (टिळू महाराज)
 हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान,
 भागवत कथा एवं मूल पाठ्यारण,
 वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश, शतचंडी, विवाह,
 कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष
 सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
 फ़कड़ का मन्दिर, रिकारबगंज,
 हैदराबाद, (तेलंगाना)
 9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

ऐलेनाबाद, 15 सितबर (एजेंसियाँ)।
अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद कुमारी सैलजा ने सोमवार को ऐलेनाबाद विधानसभा क्षेत्र के बाद प्रभावित गाँवों का दौरा कर किसानों की समस्याएँ सुनी। सांसद ने कहा कि मुआवजे के नाम पर प्रेश का भाजपा सरकार किसानों के साथ मजाक कर रही है, स्वयं किसान हितेषी होने का दावा करने वाली भाजपा सरकार को पता होना चाहिए कि फसलों का लागत मूल्य क्या होता है और किसान को किस परेशानी से गुजरना होता है। सरकार को नरमा और कपास पर कम से कम 60-75 हजार रुपये प्रति एकड़ मुआवजा देना चाहिए, 15 हजार रुपये प्रति एकड़ की घोषणा कर सरकार

किसानों के जख्मों पर नमक छिड़क रही है।

सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने सोमवार को ऐलेनाबाद क्षेत्र का दौरा किया। सबसे पहले ऐलेनाबाद में सुनील गोदारा के आवास पर पहुंची और कार्यकर्ताओं से मिली। इस मौके पर ऐलेनाबाद विधायक चौ. भरत सिंह बैनीवाल, कांग्रेस की जिला प्रधान संतोष बैनीवाल, वीरभान मेहता, संदीप नेहरा एडवोकेट, राजेश चाडीवाल, पूर्व जिला प्रधान मलकीत सिंह खोसा, मलकीत सिंह रंधावा, राम सिंह सोलंकी चेयरमैन नगर पालिका ऐलेनाबाद, संपाल मेहता, लादामा पूनिया, जगा सिंह बराड़ डबवाली दुर्गा सिंह पूर्व सरपंच और और भोला सिंह मल्लेका आदि मौजूद थे।

जयपुर, 15 सितंबर (एजेंसियाँ)।
केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं
अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास
अठवले ने सोमवार को जयपुर में
आयोजित अहम बैठक में केंद्र और
राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न
योजनाओं की समीक्षा कर अधिकारियों
को आश्वासन दिया-निर्देश दिए। सर्किट
हाउस में हुई बैठक में सामाजिक न्याय
एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गल्लोट,
अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती अपर्णा
अरोड़ा, निदेशक एवं संयुक्त शासन
सचिव आशीष मोदी, आयुक्त नगम

निगम ग्रेटर डॉ. गौरव सैनी, आयुक्त
विशेष योग्यजन केसरलाल मीना सहित
संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।
अठवले ने केंद्रीय मंत्रालय द्वारा
संचालित योजनाओं की गत तीन वर्षों
के क्रियान्वयन की जानकारी ली। उन्होंने
सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता
विभाग, विशेष योग्यजन विभाग,
अनुजा निगम द्वारा संचालित योजनाओं
की समीक्षा करते हुए राज्य सरकार
द्वारा संचालित योजनाओं की मुक्त कंठ
से प्रशंसा की।

केंद्रीय राज्य मंत्री ने बैठक में राज्य
में अनुसूचित जाति/अन्य पिछड़ा वर्ग
के लिए छात्रवृत्ति का राशि वितरण
एससी/एसटी के लिए अत्याचर
निवारण अधिनियम का क्रियान्वयन
अंतर्जातीय विवाह हेतु अनुदान राशि
वितरण, अनुसूचित जाति की छात्राओं
के लिए आवासियों विद्यालय के राज्य
अनुदान राशि वितरण, राज्य
वृद्धाश्रम योजना एवं वृद्धावस्था पेंशन
हेतु अनुदान राशि का वितरण
दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए
संचालित योजनाओं की समीक्षा की।

जयपुर, 15 सितंबर (एजेंसियां)। राज्य में प्रस्तावित जनगणना-2027 की तैयारियों को लेकर मुख्य सचिव सुधांशु पंत की अध्यक्षता में सोमवार को सचिवालय में राज्य स्तरीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित हुई जिसमें राजस्थान राज्य के 19 विभागों के प्रशासनिक सचिवों/ वरिष्ठ प्रतिनिधियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। मुख्य सचिव ने कहा कि यह बैठक फरवरी 2027 में आयोजित होने वाली जनगणना की प्रारंभिक बैठक है। उन्होंने विभागों को निर्देशित किया कि आगामी जनगणना के लिए प्रशासनिक इकाइयों का समय पर गठन सुनिश्चित करें और सभी कार्य केंद्र सरकार के जनगणना निर्देशालय के निर्देशों के अनुरूप पूरे करें।

उन्होंने बताया कि इस बार जनगणना पूर्णतः डिजिटल स्वरूप में होगी, जिससे तहसील और गाँव स्तर का डेटा सटीक रूप से संकलित होगा। इस डेटा के विश्लेषण से विभिन्न विभाग अपनी

योजनाओं और कार्यक्रमों का क्रियान्वयन अधिक प्रभावी ढंग से कर सकेंगे। पंत ने कहा कि केन्द्र सरकार के निर्देशानुसार सम्बंधित सभी विभाग यह सुनिश्चित करें कि जनगणना प्रक्रिया के दौरान किसी भी प्रशासनिक इकाई की सीमाओं में परिवर्तन नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि 31 दिसम्बर 2025 तक ही सीमाओं में बदलाव अनुमत होगा और इसके बाद 1 जनवरी 2026 से मार्च 2027 तक किसी भी प्रकार का परिवर्तन स्वीकार्य नहीं होगा। अतः उन्होंने निर्देशित किया कि सम्बंधित विभागों को 1 दिसंबर 2025 के पूर्व उक्त प्रक्रिया पूर्ण कर लेने हेतु आवश्यक कार्यवाही की जानी है, उन्होंने इसे एक राष्ट्रीय दायित्व बताते हुए सभी विभागों से समन्वय के साथ कार्य करने का आह्वान किया। पंत ने जनगणना के प्रथम चरण मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य मई जून माह में किए जाने के संबंध में निर्णय लेने हेतु नोडल विभाग को निर्देश दिए।

हरियाणा आईएमटी विकसित करने की योजना बनाई गई है जिसमें से तीन नए आईएमटी राष्ट्रीय राजमार्गों पर विकसित करने के लिए भूमि प्राप्त की जा रही है। इनमें अंबाला, जींद और फरीदाबाद-पलवल आईएमटी शामिल हैं। इनके अलावा कोसली और नारायणगढ़ में भी आईएमटी के लिए जगह चिन्हित की गई है।

उन्होंने कहा कि सरकार ने व्यापार करने में आसानी के लिए 48 विभागों में 1100 से अधिक अनुपालनों के नियामक बोझ को कम किया है। विगत 11 वर्षों में प्रदेश में 7 लाख 66 हजार सूक्ष्म लघु व मध्यम उद्योग लगे हैं तथा इनमें 39 लाख लोगों को रोजगार भी मिला है। सिंगल रूफ क्लीयरेंस सिस्टम के तहत 230 से अधिक ऑनलाइन सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। आज हरियाणा निवेशकों और स्टार्टअप की पहली पसंद बन गया है। हरियाणा भारत में स्टार्टअप की संख्या में सातवें बड़े राज्य के रूप में उभरा है। वर्तमान में हरियाणा में 9100 से अधिक मान्यता प्राप्त स्टार्टअप हैं। प्रदेश में 19 शूनिकॉर्न कंपनियां हैं। उन्होंने कहा कि अगले आधारित स्टार्टअप को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। प्रदेश सरकार द्वारा ड्रोन प्रौद्योगिकी के लिए 10 करोड़ रुपये का स्टार्टअप फंड शुरू किया गया है और इसके लिए करनल में 500 युवा किसानों को प्रशिक्षण भी प्रदान किया जा रहा है। प्रदेश में फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री की लगभग 28 हजार यूनिट लाल चुक्री हैं इसमें आगे बढ़ाने के लिए इस पर काम किया जा रहा है। एकीकृत मिनी फूड पार्क योजना भी भी ध्यान केंद्रित करते हुए इस पर 50 प्रतिशत की दर से पूंजी निवेश सस्बिडी प्रदान की जा रही है।

A group of five men are standing in front of a backdrop featuring the BJP logo and the word 'भारत' (Bharat). They are all smiling and holding a small, light-colored dog together. The man on the far left is wearing a patterned shirt, while the others are in white shirts. The man on the far right is wearing a grey shirt.

चंडीगढ़, 15 सितंबर
(एजेंसिया)।
हरियाणा के ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि बिजली डिफाल्टर्स की बकाया राशि की रिकवरी के लिए जल्द ही ऊर्जा विभाग और अधिकारियों की एक बैठक आयोजित की जाएगी।
नियमों में संशोधन अधीनस्थ

रैंकिंग भी रिकवरी के अनुसार तय की जाएगी।
विज ने बताया कि इस बारे में जल्द ही अधिकारियों की बैठक ली जाएगी और रिकवरी के संबंध में रिपोर्ट ली जाएगी।
सेवा पखवाड़ा के संबंध में पूछा गया सवाल के जवाब में विज ने कहा कि अंबाला में सेवकों

जवाब दे रहे थे उन्होंने कहा कि बिजली डिफाल्टरों का यह तथ्य जब उनके सामने आया तो उसी समय ऊर्जा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की एक बैठक ली गई थी, जिसमें प्रत्येक जिले की रिकवरी के बारे में जानकारी के तहत संबंधित अधिकारियों को लक्ष्य दिया गया था। उन्होंने कहा कि अब अमुक अधिकारियों की

टोंक, 15 सितंबर (एजेंसियाँ)।

कांग्रेस के महासचिव टोंक विधायक सचिन पायलट ने टोंक में वोट चोर गद्दी छोड़ हस्ताक्षर अभियान एवं पैदल मार्च में शिरकत की। वोट चोरी को लेकर हस्ताक्षर अभियान का आगाज किया। इस दौरान सचिन पायलट ने देश को संबोधित करते हुए कहा कि भारत में सभी लोग दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। और यहां लोकतंत्र की संवैधानिक रूप से काफी मजबूत है, लेकिन केन्द्र सरकार चुनाव आयोग सहित अन्य संवैधानिक संस्थाओं को जान-बूझकर खोखला करने में लगी हुई है, लेकिन कांग्रेस सहित अन्य लोग और जनता इसका विरोध करने के लिए एक जुट है।

पायलट ने कहा कि राजस्थान में मौजूद सरकार चुनाव को रोक रही है। छात्र संघ चुनाव, नगरपालिका चुनाव नहीं करवा रही है, जबकि 6 माह में करवाना जरूरी है। विशेष परिस्थितियों को छोड़कर लेकिन राज्य सरकार चुनाव को लगातार टाल रही है। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता परेशान है, कोई विकास कार्य नहीं हो रहे है।

सचिन पायलट ने अपने संबोधन में कहा कि कल मैं उज्जैन में था मेरे को इस कार्यक्रम के लिए कहा गया था। फिर आज सुबह मैं दिल्ली यूनिवर्सिटी में हमारे एनयूए-एसआई प्रत्याशियों के लिए वोट मांगने के लिए दिल्ली यूनिवर्सिटी था। वहां से चलकर आपके बीच आया हूँ।

जयपुर, 15 सितंबर
(एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विद्यार्थी हमारे देश के सुनहरे भविष्य हैं, जिनकी सुरक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने गणवत्ता



की बजट घोषणाओं की समीक्षा कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने गांव-ढाणी से लेकर शहरी क्षेत्र में स्थित राजकीय विद्यालयों एवं विद्यालयों में शैक्षणिक सुविधाओं तथा सेवाओं के सुदृढीकरण और विस्तार पर गहन चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

शर्मा ने कहा कि विगत कुछ वर्षों में शैक्षणिक भवनों के मरम्मत संबंधी कार्यों के लिए डांग, मगरा, मेवात क्षेत्रीय विकास योजना के तहत अनुमत 20 प्रतिशत राशि का प्राथमिकता से उपयोग करने के विशेष दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे विद्यार्थियों की संख्या के अनुरूप कक्षा निर्माण एवं अन्य

संकेती और आधारभूत ढांचा भी सुदृढ हो सकेगा। उन्होंने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में उपलब्ध कराए जा रहे डार्डिंग हॉल को मल्टीपरपज विकसित करने के निर्देश भी दिए।

शर्मा ने कहा कि राजकीय विद्यालयों के भवन निर्माण एवं मरम्मत कार्यों में सामाजिक

संबंध में निर्देश प्रदान किए। मुख्यमंत्री ने कॉर्पोरेट सर्टिफिकेशन प्रोग्राम के संचालन के संबंध में प्रभावी कार्ययोजना बनाने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रोग्राम के संचालन में आवश्यक मास्टरप्लेन की नियमित उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि विद्यार्थियों को सतत रूप से प्रशिक्षण मिल सके।

दरोगा अभ्यर्थियों पर पटना में लाठीचार्ज सीएम हाउस जाने से पुलिस ने रोका

पटना (एजेंसियां)।

पटना में दरोगा और सिपाही भर्ती परीक्षा जल्दी कराने की मांग को लेकर अभ्यर्थियों ने पटना कॉलेज से पैदल मार्च निकाला। सैकड़ों अभ्यर्थी मुख्यमंत्री आवास की तरफ बढ़ रहे थे। लेकिन, पुलिस ने डाक बंगला चौराहा पर बैरिकेडिंग कर दिया। पुलिस ने अभ्यर्थियों को काफी समझाने की कोशिश की लेकिन वह नहीं रुके। इसी बीच कई अभ्यर्थी कोतवाली थाने के पास पहुंच गए। अभ्यर्थी आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे थे लेकिन कोतवाली के पास पटना पुलिस ने उन्हें रोक लिया। पुलिस ने काफी समझाया लेकिन जब वह नहीं माने तो लाठीचार्ज कर दिया। इस दौरान पुलिसकर्मी अभ्यर्थियों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटते दिखे। वहीं अभ्यर्थियों ने



कहा कि हमलोगों की आवाज दबाने की कोशिश की जा रही है। लाठीचार्ज के दौरान एक महिला का पैर टूट गया। कई अभ्यर्थी घायल हुए हैं। इन सबके बावजूद हमलोग डटे रहेंगे।

बताया जा रहा है कि पटना पुलिस ने प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे शिक्षक रोशन आनंद को हिरासत में ले लिया था। इसके बाद अभ्यर्थियों का आक्रोश बढ़ गया। अभ्यर्थियों ने पुलिस की

गाड़ी घेर लिया। कहने लगे कि रोशन सर को गाड़ी से बाहर निकाला जाए। अभ्यर्थियों का बढ़ता आक्रोश देखकर पुलिस ने शिक्षक रोशन आनंद को छोड़ दिया।

वहीं छात्र नेता दिलीप कुमार ने कहा कि बिहार में लगभग दो साल से दरोगा बहाली नहीं निकली है।

जल्द ही आचार संहिता लागू हो जाएगी, जिसके बाद नई भर्ती की संभावना लगभग खत्म हो जाएगी। ऐसे में सरकार को तुरंत दरोगा भर्ती के विज्ञापन जारी करनी चाहिए।

छात्र नेता ने कहा कि अभ्यर्थियों का हक है कि उन्हें पता चले आयोग ने किस प्रश्न का कौन-सा उत्तर सही माना और उन्हें कितने अंक मिले। लाखों बेरोजगार युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सिपाही भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी, निष्पक्ष और ईमानदार तरीके से पूरी की जाए।

जन सुराज के कार्यक्रम में नाशते को लेकर हंगामा, अफरा-तफरी का माहौल



मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

मुजफ्फरपुर में जन सुराज पार्टी द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम हंगामे की भेंट चढ़ गया। बताया जा रहा है कि नाशते को लेकर कुछ कार्यकर्ता मंच पर चढ़ गए और इस दौरान जमकर विवाद हो गया। विवाद बढ़ने के बाद कई लोग नाशता लेकर भागते दिखाई दिए। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दरअसल, मुजफ्फरपुर जिले के बरूरज विधानसभा क्षेत्र के फुलवरिया

चौक के पास रविवार शाम जन सुराज पार्टी की बिहार बदलाव सभा का आयोजन किया गया था। शुरुआत में कार्यक्रम उत्साह और शांति से चला, लेकिन बाद में कार्यकर्ताओं के बीच नाशते को लेकर बहस हो गई। देखते ही देखते स्थिति बेकाबू हो गई और सभा स्थल पर अफरा-तफरी मच गई।

पहले तो हल्की कहासुनी हुई, लेकिन फिर धक्का-मुक्की शुरू हो गई और मारपीट की नौबत आ गई। वायरल वीडियो में देखा जा

सकता है कि झड़प के दौरान एक युवक ने हेलमेट उठाकर दूसरे युवक पर हमला करने की कोशिश की। यह देखकर लोग घबरा गए और वहां भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। इस दौरान कई लोग मंच पर चढ़ गए और कोने में रखे नाशते के पैकेट लेकर भागने लगे।

माहौल बिगड़ता देख आयोजन समिति ने हस्तक्षेप किया और कार्यकर्ताओं को अलग कराकर स्थिति को किसी तरह शांत किया गया।

बीजेपी पर कांग्रेस के गंभीर आरोप, बिहार में 1050 एकड़ जमीन दोस्त को 1 रुपये में दी जा रही!

पटना (एजेंसियां)।

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले प्रमुख दल बीजेपी और कांग्रेस के बीच आरोपों का वाक्युद्ध तेज होता जा रहा है। सोमवार को कांग्रेस ने बीजेपी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर गंभीर आरोप लगाए। कांग्रेस ने बीजेपी पर आरोप लगाया है कि वह बिहार में 'दोहरी लूट' कर रही है। कांग्रेस के मीडिया और प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि बीजेपी पीएम नरेंद्र मोदी के 'दोस्त' गौतम अदाणी को बिहार में 1050 एकड़ जमीन सिर्फ 1 रुपये में 33 साल के लिए दे रही है। यह जमीन एक पावर प्रोजेक्ट के लिए दी जा रही है।

खेड़ा ने कहा है कि लोगों को अदाणी के पावर प्लांट से बिजली 6.75 रुपये प्रति यूनिट के हिसाब

से खरीदनी पड़ेगी। उन्होंने कहा कि बिहार की जमीन, कोयला और पैसे का इस्तेमाल करके भागलपुर में एक पावर प्लांट बनाया जाएगा और फिर लोगों को ही महंगी बिजली खरीदनी पड़ेगी। कांग्रेस का आरोप है कि बिहार में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले यह सब हो रहा है। यह एक तरह से अदाणी को फायदा पहुंचाने की कोशिश है।

पवन खेड़ा ने प्रेस से कहा कि मोदी सरकार अदाणी को 10 लाख पेड़ और 1050 एकड़ जमीन 33 साल के लिए सिर्फ एक रुपये में देने जा रही है। यह जमीन 2,400 मेगावाट के प्रोजेक्ट के लिए दी जा रही है, जिस पर 21,400 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। उन्होंने यह भी कहा कि जिन किसानों की जमीन ली जा रही है, उन्हें अधिकारियों

ने घरों में कैद कर दिया है ताकि वे विरोध न कर सकें, क्योंकि पीएम मोदी आज भागलपुर में हैं। पवन खेड़ा ने कहा कि इस पावर प्लांट की घोषणा बजट में की गई थी। उस समय सरकार ने कहा था कि वह खुद प्लांट लगाएगी। लेकिन बाद में सरकार पीछे हट गई और यह प्रोजेक्ट अदाणी को दे दिया। उन्होंने कहा कि बिहार की जमीन पर, बिहार के पैसे से बना प्लांट, बिहार के कोयले से बिजली पैदा करेगा और फिर वही बिजली बिहार के लोगों को 6.75 रुपये प्रति यूनिट के हिसाब से बेची जाएगी। यह 'दो-हरी लूट' है।

पवन खेड़ा ने यह भी दावा किया कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से ठीक पहले अदाणी को एक पावर प्लांट प्रोजेक्ट और धारावी प्रोजेक्ट दिया गया था।

दरभंगा में पत्रकार की पिटाई पर तेजस्वी यादव के निशाने पर मंत्री जीवेश मिश्रा



को मारा जाता था। पूर्णिया दौरे पर आ रहे पीएम मोदी से तेजस्वी ने पूछा कि क्या इस पत्रकार को मां बहन की गाली दी गई वह ठीक है। क्या इस पत्रकार की मां बहन की कोई इज्जत नहीं है। भाजपा का यही संस्कार है। बिहार सरकार का एक मंत्री पत्रकार को

मार रहा है और गाली दे रहा है। तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि इस सरकार में ऐसा ही होता है। कोई भी मंत्री आता है करप्शन करके चला जाता है। क्या पता बीजेपी ने इस आदमी को क्या देख के मंत्री बनाया है। पीएम मोदी आज पूर्णिया आ रहे

हैं हम चाहते हैं कि इस मंत्री पर कार्रवाई हो। मां की बात करते हैं, लेकिन इनके नेता औरत की इज्जत नहीं करते हैं। तेजस्वी यादव ने कहा कि इसलिए हम दरभंगा भी जा रहे हैं, जाले भी जाएंगे और उस पत्रकार को लेकर थाने जाएंगे और मंत्री के खिलाफ मुकदमा कराएंगे। आरोप लगाया कि दरभंगा में पुलिस का भी मन बड़ गया है, जिस मंत्री को राजस्थान हाई कोर्ट ने सजा सुनाई है। जिसपर नक़ली दवा बेचने का आरोप है। इस सरकार में बैठे सब अपराधी हैं। अपराधी विजय और सम्राट हो गए हैं। पत्रकार को गाली वो भी बिहार सरकार का मंत्री दे रहा है। सब पत्रकार एक होकर इस मंत्री को बर्खास्त करायेंगे। अगर

दरभंगा की पुलिस मंत्री पर कार्रवाई नहीं करेगी तो जनता जवाब देगी। पुलिस की भी असलियत सामने आएगी। जीवेश मिश्रा जैसे लोग मंत्री के नाम पर कलंक हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की आप टीम देख लीजिए। एक कर्नाटक में है और एक यूपी में है। हम उम्मीद करते हैं कि पीएम मोदी आ रहे हैं, कमसे कम इस मंत्री को जेल भेजवा दें। केवल सिर्फ वोट के लिए बिहार आवेंगे। यह जंगल राज नहीं है तो और क्या है। अगर हमारी सरकार होती तो इसका ब्रेकिंग न्यूज़ चलता। आप आकर अपना रोना रोते हैं। सिर्फ घुसपैठिया और जंगल राज की बात करते हैं। सिर्फ चुनावी जुमले की बात करेंगे।

जदयू ने विपक्ष पर किया हमला

एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन की सफलता से घबराया विपक्ष

पटना (एजेंसियां)।

एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलनों में महिलाओं की दमदार उपस्थिति एनडीए के लिए एक अत्यंत शुभ और सकारात्मक संकेत है। इसका मुख्य कारण मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में किए गए अनूठे और दूरगामी कार्य हैं, जिनका असर आज हर गांव-गांव में स्पष्ट रूप से देखा जा रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि विपक्ष विकास के मुद्दों पर बहस करने के बजाय केवल इधर-उधर की बातें कर जनता का ध्यान भटकाने का प्रयास कर रहा है। उक्त बातें भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जयसवाल ने कहा कि जनता दल (यू) प्रदेश कार्यालय स्थित कर्ली सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान कही।

इस मौके पर जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि जिस प्रकार प्रदेश में



एनडीएमय माहौल बन चुका है, उससे यह प्रतीत होता है कि एनडीए गठबंधन 2025 में 225 सीटें जीतने के निर्धारित लक्ष्य से भी बड़ी सफलता दर्ज करेगा। हर जगह की तस्वीर यह संदेश दे रही है कि आगामी विधानसभा चुनाव का जनादेश पहले से ही एनडीए के पक्ष में तय हो चुका है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जोड़ी के प्रति जनता में अटूट

विश्वास और उत्साह है। एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन की अपार सफलता देखकर विपक्ष पूरी तरह से घबराया हुआ है। पांचवें चरण के एनडीए विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन 18 सितंबर को होनी है।

लोजपा (आर) के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी ने कहा कि पांचों दलों के एनडीए कार्यकर्ताओं में जो एकजुटता देखने को मिल रही है, वह

वास्तव में अद्भुत है।

पूरे जनमानस में जबरदस्त उत्साह व्याप्त है। उन्होंने यह भी कहा कि एनडीए ने जो लक्ष्य निर्धारित किया है, "2025 में 225 - फिर से नीतीश" वह आसानी से प्राप्त होगा। हम (से) के प्रदेश अध्यक्ष डॉ अनिल कुमार ने कहा कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन, 125 यूनिट मुफ्त बिजली और महिला रोजगार योजना जैसे ऐतिहासिक निर्णयों से जनता में

खासा उत्साह देखा जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रति आम जनता का अपार समर्थन है। रालोमो के प्रदेश अध्यक्ष मदन चैधरी ने कहा कि एनडीए पूरी मजबूती से '2025 में 225 -फिर से नीतीश' के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है और आगामी चुनाव में निश्चित रूप से एनडीए गठबंधन ऐतिहासिक जीत दर्ज करेगा।

पार्वती हत्याकांड का हुआ खुलासा, पुलिस ने तीन को पकड़ा, पति नवीन कुमार फरार

मुंगेर

शेखपुरा जिले में एक विवाहिता की हत्या कर शव को गायब करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि मुख्य आरोपी और मृतका का पति नवीन कुमार अब भी फरार है। शव बरामद न होने के कारण पुलिस यह स्पष्ट नहीं कर पाई है कि लाश को कहाँ ठिकाना लगाया गया। हालांकि पकड़े गए आरोपियों ने पूछताछ में स्वीकार किया है कि शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया।

घटना शहर के मड़पसौना इलाके की है, जिसे पार्वती हत्याकांड के नाम से देखा जा रहा है। इस मामले में मृतका के देवर छोटे कुमार, चकदिवान निवासी चंदन तांती और बाहन चालक श्रीनिवास पासवान को गिरफ्तार किया गया है। वहीं, मृतका का पति नवीन कुमार अब तक पुलिस की गिरफ्त से बाहर है।



पुलिस जांच में सामने आया है कि विवाहिता की मौत के बाद शव को पहले बाइक से एक गोदाम ले जाया गया, जिसका सीसीटीवी फुटेज भी बरामद हुआ है। वहां से शव को पिकअप वाहन में लादकर बाढ़ ले जाया गया और कथित तौर पर अंतिम संस्कार कर दिया गया। पुलिस की टीम ने बाढ़ के उमनाथ मुक्तिधाम में तलाशी ली, लेकिन किसी तरह का अवशेष नहीं मिला।

थानाध्यक्ष धर्मेन्द्र कुमार ने बताया कि इस पूरे मामले में मंदना गांव के एक आरएमपी डॉक्टर की भूमिका संदिग्ध है। बताया जाता है कि मौत से लेकर शव के दाह

संस्कार तक वह मृतका के पति के साथ मौजूद था। पुलिस ने पहले उसे हिरासत में लिया था, लेकिन सबूत न मिलने पर छोड़ दिया। अब चिकित्सक भूमिगत हो गया है। गौरतलब है कि बरबीधा के माहुरी मंडप निवासी पार्वती देवी की शादी वर्ष 2021 में मड़पसौना के नवीन कुमार से हुई थी। बताया जा रहा है कि पति का अवैध संबंध एक अन्य महिला से था, जिसको लेकर दंपति में अक्सर विवाद होता था। इसी विवाद के दौरान बीते मंगलवार की रात विवाहिता की मौत हो गई और ससुराल पक्ष के लोगों ने शव को गायब कर दिया।

सौतेला बाप मेरे साथ करता है गलत काम... बाद में बयान से पलटी बेटी, कोर्ट ने फिर भी सुनाई 20 साल की सजा

चेन्नई (एजेंसियां)।

तमिलनाडु के चेन्नई की एक विशेष पाँक्सो अदालत ने एक पांच साल पुराने मामले में अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने 48 वर्षीय सौतेले पिता को अपनी 15 वर्षीय सौतेली बेटी से दुष्कर्म का दोषी ठहराया और उसे 20 साल की कठोर कैद की सज़ा सुनाई है। यह घटना जनवरी 2020 की है। उस समय पीड़िता मात्र 15 साल की थी। उसकी मां देर रात तक काम से लौटती थी,

जिसके चलते सौतेला पिता घर पर बच्चों के साथ रहता था। उसी दौरान उसने बच्ची के साथ लगातार अत्याचार किए। पीड़िता की छोटी बहन भी उस समय घर पर मौजूद थी।

पीड़िता ने अपनी मां को बताया भी था कि वह पिछले दो सालों से शोषण झेल रही है। लेकिन जब मां ने आर-ोपी से सवाल किया, तो वह कुछ समय के लिए घर छोड़कर चला गया। बाद में परिवार की आर्थिक स्थिति बिगड़ने



पर मां ने चुप्पी साध ली और बच्ची भी चुप रही। बाद में पीड़िता ने अपनी ट्यूशन टीचर को आपबीती सुनाई। शिक्षक ने तुरंत मामला चाइल्डलाइन को बताया। इसके बाद पुलिस हरकत में आई और अगस्त 2020 में सौतेले पिता को गिरफ्तार कर लिया। लड़की को सरकारी बाल गृह में भेजा गया, जहां वह 2023 तक रही। 18 साल की होने के बाद वह मां के पास लौट आई। ट्रायल के दौरान पीड़िता और

उसकी मां दोनों ने बयान बदलते हुए कहा कि गलतफहमी में आरोप लगाया था। आरोपी ने भी अपराध से इनकार किया। इससे ऐसा लगने लगा कि मामला ढह जाएगा। लेकिन विशेष लोक अभियोजक एस. अनीता ने शुरुआती बयान, मेडिकल रिपोर्ट और शिक्षक की गवाही अदालत में पेश की। डॉक्टर की रिपोर्ट में स्पष्ट तौर पर उन चोटों का ज़िक्र था, जो आरोपों से मेल खाती थीं। साथ ही, ट्यूशन टीचर की

गवाही शुरू से अंत तक एक जैसी रही। अभियोजन पक्ष ने हाल ही में आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि पाँक्सो मामलों में केवल प्रत्यक्ष गवाही अनिवार्य नहीं है, बल्कि मेडिकल साक्ष्य और अन्य गवाहियों के आधार पर भी आरोपी को दोषी ठहराया जा सकता है। अदालत ने सभी साक्ष्यों पर विचार कर सौतेले पिता को दोषी माना और 20 साल की कठोर सज़ा सुनाई।